सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-320

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, गुरुवार 22 फरवरी 2024

आज का विचार

पहले आपको स्वयं बदलना होगा, जैसा की आप दुनिया को देखना चाहते है। -महात्मा

राजनाथ सिंह आज ओडिशा दौरे पर रहेंगे

मयूरभंज जिले में जनसभा को करेंगे संबोधित

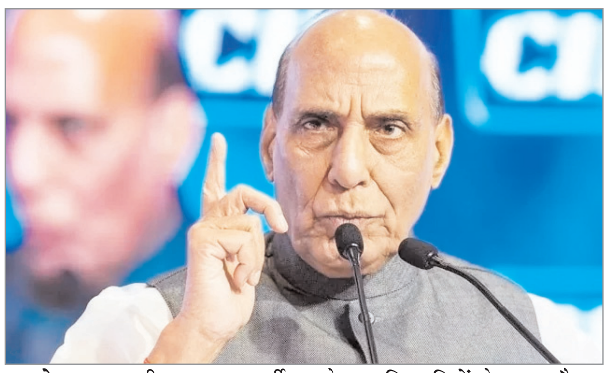

भुवनेश्वर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज ओडिशा की यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान वह पार्टी सदस्यों के साथ एक सभा में भाग लेंगे और मयूरभंज जिले में एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। बता दें, यह यात्रा रक्षा मंत्री की आंध्र प्रदेश और ओडिशा की दो दिवसीय यात्रा का हिस्सा है, जो गुरुवार को समाप्त हो रही है। इससे पहले, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को विशाखापत्तनम में मिलन 2024 अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह में एक सभा को संबोधित किया। गौरतलब है, मिलन 2024 भारतीय नौसेना का अब तक का सबसे बड़ा बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास है, जो विशाखापत्तनम में शुरू हो रहा है। इस दौरान 50 से अधिक देशों के युद्धपोत और विमानों का बेड़ा महासागर और बंदरगाह पर सैन्य अभ्यास करेगा। रक्षा मंत्री पूर्व सैनिकों, भाजपा पार्टी के पदाधिकारियों के साथ बैठक में भाग लेने और जनसभा में भाग लेने के लिए कुछ ही घंटों में विशाखापत्तनम से ओडिशा के लिए रवाना होंगे। सिंह की ओडिशा की एक दिवसीय यात्रा भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के 2024 के आम चुनावों और ओडिशा विधानसभा चुनावों की तैयारी के लिए विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों का दौरा करने के कार्यक्रम का हिस्सा है। राजनाथ सिंह ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि आज यानी 22 फरवरी को वह ओडिशा में एक क्लस्टर दौरे पर रहेंगे। साथ ही लोगों को संबोधित करने के लिए बहुत उत्सुक हैं। वहीं, ओडिशा के भाजपा नेताओं ने बताया कि मंत्री नबरंगपुर और बेरहामपुर जिलों में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक करेंगे। इसके अलावा मयूरभंज में एक जनसभा में भाग लेंगे, बाद में क्लस्टर टूर की शुरुआत करेंगे।

किसान आंदोलनः 23 फरवरी को अगला फैसला करेंगे किसान

12 पुलिसकर्मी और 58 किसान घायल

एक की मौत, कल तक टला दिल्ली

न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानूनी गारंटी की मांग को लेकर आठ दिनों से शंभू और दातासिंह वाला बॉर्डर पर डटे किसानों ने बुधवार सुबह दिल्ली कूच का प्रयास किया था। जवाब में हरियाणा पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने आंसू गैस के गोले बरसाए और रबड़ की गोलियां भी चलाईं। दातासिंह वाला बॉर्डर पर दो किसान गोली लगने से जख्मी हो गए, जिनमें से बठिंडा के गांव बल्लोंके के युवा शुभकरण (23) की मौत हो गई। दूसरे किसान संगरूर के नवांगांव के प्रीतपाल सिंह को भी गंभीर चोट आई है। उसे रोहतक पीजीआई में भर्ती किया गया है।

केजरीवाल बोले- शुभकरण की मौत दुखदाई

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा- पंजाब के नौजवान शुभकरण की मौत बेहद दुखदाई है। क्या इसी दिन के लिए हमने आजादी की लड़ाई लड़ी थी कि एक दिन अपने ही देश में हमारे द्वारा चुनी हुई सरकारें हमारे ही बेटों को अंग्रेजों की तरह शहीद कर देगी? हम पूरी तरह शुभकरण के साथ हैं और उनके कातिलों को कड़ी सजा दिलवाएंगे। किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने एक फोटो जारी की है, जिसमें जवान फायरिंग करते हुए नजर आ रहे हैं। पंधेर ने कहा कि शुभकरण सिंह 23 साल गांव बलोह जिला बठिंडा की मौत हो चुकी है। ऑन द स्पॉट जो सिर पर गोली लगी थी, उसकी तस्वीर साझा कर रहा हूं। इसके साथ ही सीधी फायरिंग होती दिखी है, जिसकी तस्वीर भी साझा कर रहा हूं, सीधी एसएलआर के साथ फायरिंग की जा रही है

किसान आंदोलन के बीच केंद्र सरकार ने दिया बड़ा तोहफा, गन्ने की MSP बढ़ाने का लिया फैसला

नई दिल्ली । न्यूनतम समर्थन मूल्य सहित कई मांगों को लेकर चल रहे किसान आंदोलन के बीच सरकार ने गन्ना किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने गन्ना खरीद की कीमत में आठ फीसदी वृद्धि का ऐलान किया है। गन्ने की कीमत 315 से बढ़ाकर 340 रुपये करने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि किसानों को गन्ने का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए आगामी गन्ना सीजन के लिए 1 अक्टूबर, 2024 से 30 सितंबर 2025 की अवधि में मूल्य में इजाफा करने का निर्णय लिया गया है। चीनी मिलों की ओर से साल 2024-25 के लिए कीमत 340 रुपये प्रति क्विंटल तय करने का निर्णय लिया गया है। पिछले वर्ष गन्ना 315 रुपए था, जो इस वर्ष बढ़कर 340 रुपये प्रति क्विंटल हो किया गया है। इसके साथ उन्होंने कहा कि सरकार गन्ना किसानों के कल्याण के लिए पिछले दस वर्षों में कई काम किए हैं। पहले गन्ना किसानों को कई साल तक उनकी फसल की कीमत नही मिलती थी, सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि चीनी मिल वक्त पर किसानों को उनके बकाया का भुगतान करें। उन्होंने कहा की वर्ष 2021-22 में किसानों को 1.28 लाख करोड़ रुपये मिले हैं। वहीं, 2022-23 में 1.95 लाख करोड़ रुपये मिले हैं। ये पैसे सीधे इनके खाते में भेजे गए है। गन्ने की कीमत में इजाफे से किसानों को लाभ मिलेगा।

राहुल गांधी कांग्रेस को खत्म करके रहेंगे : शिवराज सिंह चौहान

भोपाल । पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस ने कर्नाटक और देश तबाह किया है और अब जनता ने यह ठान लिया है कि महात्मा गांधी का जो सपना था कि कांग्रेस खत्म कर दी जाए, उस कांग्रेस को इस चुनाव में खत्म करने का काम खड़गे के नेतृत्व में होगा और राहुल गांधी इसे पूरा करेंगे। शिवराज बुधवार को एक दिवसीय प्रवास के दौरान कर्नाटक के गुलबर्गा जिले के कलबुर्गी में भाजपा बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने कर्नाटक में शरण बसवेश्वर मंदिर में पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और मंदिर परिसर में साफ-सफाई की। साथ ही भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ दीवार लेखन किया और अपने प्रतिदिन पौधरोपण के संकल्प के तहत वृक्षारोपण भी किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भगवान बसवेश्वर की इस पवित्र धरती पर आ पाया हूं, मैं उन्हें प्रणाम करता हूं। दुनिया में लोकतंत्र का उदय इसी पवित्र धरती पर हुआ था। हम सब लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटे हुए हैं।

नड्डा का विपक्ष पर तंज, बोले-

'लोकसभा चुनाव में वंशवादी राजनीति बनाम विकास की लड़ाई'

मुंबई। आगामी लोकसभा चुनावों से पहले सभी राजनेताओं के बीच बयानबाजी का दौर जारी है। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपनी मुंबई यात्रा के दौरान विपक्षी दलों खासतौर पर कांग्रेस पर जमकर तंज कसा। बुधवार को मुंबई के पश्चिमी उपनगरों के पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नड्डा ने विपक्ष पर वंशवादी होने और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। साथ ही उन्होंने पीएम मोदी और भाजपा सरकार की उपलब्धियों को भी गिनाया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की पांचवीं से तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। अपने संबोधन में जेपी नड्डा ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में वंशवादी राजनीति और भ्रष्टाचार और विकास के बीच लड़ाई होगी। कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देते हुए भाजपा अध्यक्ष ने उनसे मतदाताओं के बीच जाकर नए जनादेश (केंद्र में भाजपा के लिए) के लिए उनका समर्थन मांगने की बात भी कही। उन्होंने पीएम मोदी के अब तक के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले दस वर्षों में पहली बार मतदाताओं ने केवल विकास देखा है, पिछली सरकारों की तरह भ्रष्टाचार नहीं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में एक तरफ वंशवादी राजनीति और भ्रष्टाचार वहीं दूसरी तरफ विकास होगा। उन्होंने कहा कि वंशवादी राजनीति और भ्रष्टाचार विनाश की ओर ले जाएगा। अपने संबोधन में जेपी नड्डा ने मुंबई के पार्टी नेताओं से कहा कि वे यह सुनिश्चित करें कि पार्टी की विचारधारा समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा नेताओं को बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया का उपयोग करने और जनहित के मुद्दों पर प्रमुख हस्तियों का समर्थन लेने की सलाह दी। गौरतलब है कि भाजपा अध्यक्ष बुधवार यानी आज दो दिवसीय दौरे पर मुंबई पहुंचे थे। जहां उन्होंने मुंबई के सभी 36 विधानसभा क्षेत्रों के भाजपा पदाधिकारियों के अलावा महानगर के पार्टी सांसदों और विधायकों से मुलाकात की। साथ ही नड्डा ने मुंबई में सभी छह लोकसभा क्षेत्रों के लिए चुनाव प्रबंधन समिति की बैठकों की भी अध्यक्षता भी की।

कर्नाटक: मंदिरों पर 10 प्रतिशत टैक्स लगाएगी कांग्रेस सरकार, भाजपा ने फैसले को बताया 'हिंदू विरोधी'

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा में बुधवार को 'कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती विधेयक 2024' पारित हो गया। इस विधेयक में हिंदू मंदिरों के राजस्व पर 10 फीसदी टैक्स लगाने का प्रावधान किया गया है। इस पर भाजपा ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है और कांग्रेस सरकार को हिंदू विरोधी बताया है। कर्नाटक भाजपा के अध्यक्ष विजयेंद्र येदियुरप्पा ने सरकार के इस विधेयक पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार हिंदू मंदिरों के पैसों से अपना खाली खजाना भरना चाहती है। विजयेंद्र येदियुरप्पा ने कहा 'कांग्रेस सरकार राज्य में लगातार हिंदू विरोधी नीतियां अपना रही है और अब उनकी नजर हिंदू मंदिरों पर है। सरकार ने 'कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती विधेयक 2024% अपने खाली खजाने को भरने के लिए पारित किया है।' कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 'ये सरकार मंदिरों की एक करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई पर 10 प्रतिशत टैक्स लगाएगी, ये और कुछ नहीं गरीबी है। श्रद्धालुओं द्वारा दिया जाने वाला चंदा मंदिरों के पुनर्निर्माण और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं बढ़ाने में इस्तेमाल होना चाहिए, लेकिन अगर ये किसी अन्य उद्देश्य से आवंटित किया जाता है तो ये लोगों की आस्था के साथ धोखा होगा।' येदियुरप्पा ने इस बात पर भी हैरानी जताई कि सरकार सिर्फ हिंदू मंदिरों को ही क्यों निशाना बना रही है। विधेयक के अनुसार, जिन मंदिरों का राजस्व एक करोड़ रुपये से ज्यादा है, उन पर 10 फीसदी टैक्स लगेगा। वहीं जिन मंदिरों का राजस्व 10 लाख रुपये से लेकर एक करोड़ रुपये तक है, उन पर 5 प्रतिशत टैक्स लगेगा। बीते दिनों कर्नाटक सरकार ने जो बजट पेश किया था, उसमें सरकार ने वक्फ बोर्ड को 100 करोड़ रुपये और ईसाई समुदाय को 200 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। इस पर भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने आरोप लगाया था कि कर्नाटक सरकार हिंदू समुदाय का इस्तेमाल अन्य धर्मों को आर्थिक रूप से समृद्ध करने के लिए किया जा रहा है। तेजस्वी सूर्या ने आरोप लगाया कि सरकार ने हिंदू मंदिरों से ही करीब 445 करोड़ रुपये का राजस्व इकट्ठा किया है और इसमें से हिंदू मंदिरों के लिए महज 100 करोड़ रुपये ही आवंटित किये गए हैं। विधेयक को लेकर कर्नाटक में राजनीतिक बयानबाजी भी शुरू हो गई है। भाजपा के आरोपों पर कांग्रेस सरकार के मंत्री रामालिंगा रेड्डी ने कहा कि भाजपा धर्म को लेकर राजनीति कर रही है बल्कि कांग्रेस हिंदू धर्म की सबसे बड़ी हितकारी है। कांग्रेस ने कहा कि उनकी सरकार ने लगातार हिंदू मंदिरों और हिंदू हितों को सुरक्षित किया है।

कांग्रेस और सपा के बीच बनी सीट शेयरिंग पर सहमति, प्रियंका गांधी ने की पार्टियों के बीच सुलह

नई दिल्ली । इंडिया गठबंधन में हाल के दिनों में हुए बिखराव के बाद आखिरकार एक राहत की खबर सामने आई है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच सीट शेयरिंग पर सहमति बन चुकी है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने दोनों पार्टियों के बीच सुलह कराने और सीट शेयरिंग को को अंतिम रूप देने के लिए बुधवार सुबह समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से बात की। समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में देश की सबसे पुरानी पार्टी को 17 लोकसभा सीटें देने पर सहमत हो गई है। इस सियासी घटनाक्रम से वाकिफ लोगों ने बताया कि प्रियंका गांधी और अखिलेश यादव दोनों ने फोन पर सीटों के बंटवारे पर लंबी चर्चा की और एआईसीसी महासचिव ने सपा प्रमुख को 17 सीटें छोड़ने के लिए राजी किया। इन सीटों पर कांग्रेस अपना उम्मीदवार उतारेगी। नाम नहीं छापने की शर्त पर एक कांग्रेस नेता ने हिन्दुस्तान टाइम्स को बताया, हां, शुरुआत में सपा ने उन सीटों की पेशकश की जहां कांग्रेस का मजबूत आधार नहीं था। प्रियंका गांधी वाड्रा ने सपा प्रमुख को जालौन और बागपत लोकसभा सीटों के बदले में अमरोहा और बाराबंकी छोड़ने के लिए राजी किया। कांग्रेस ने इस बात पर जोर दिया है कि यह चुनाव लड़ने के लिए अधिक सीटों के बारे में नहीं है, बल्कि सीटों की जीत की क्षमता के बारे में है। समाजवादी पार्टी द्वारा कांग्रेस को 17 सीटें देने के लिए राजी होने के बाद चीजें बदलनी शुरू हुईं। सीट शेयरिंग समिति के सदस्यों सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने एक संभावित समाधान खोजने के लिए मुख्य महासचिव राम गोपाल यादव और एमएलसी उदयवीर सिंह सहित के जरिए समाजवादी पार्टी से संपर्क किया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (यूपीसीसी) के पूर्व अध्यक्ष सलमान खुर्शीद ने कहा, हमने समिति की सिफारिशें पार्टी नेतृत्व को प्रस्तुत कीं और सभी बारीक बिंदुओं पर उच्चतम स्तर पर गहन चर्चा की गई पत्रकारों से बात करते हुए एआईसीसी महासचिव अविनाश पांडे ने गठबंधन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रियंका गांधी वाड्रा का आभार व्यक्त किया।

सावधान जाहिर सूचना

ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र खसरा न. 72 वा अन्य खसरो कृषि भूमि के सम्बन्ध मे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र मे स्थित कृषि भूमि विजय पिता राम भरोसे तिवारी से छल कर फरेब से सोची समझी चाल चल कर जिसका खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो को लिख कर 8 विक्रय पत्रो के लिए कूटरचित भाषा लिख कर दस्तावेज तयार कर वा फर्जी चेको को दे कर जालसाजी और 420 से विक्रय पत्रों का पंजीयन करवाया गया है इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन सभी के खिलाफ पुलिस में जांच चल रही है कोर्ट में केस पेंडिंग है अत- कृषि भूमि खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो का सौदा किया गया था जिसका भुगतान राशि चेको के माध्यम से की गई थी पर चैक अनादरण होने से सौदा 2018 में निरस्त किया जा चुका है जिसकी सूचना पेपर विग्यप्ति के माध्यम से पहले ही सूचना दी जा चुकी है अत- इन सभी विक्रय पत्रो के संदर्भ मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक आदि से कर्ज हेतू प्राप्त करता है या इन रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रये करता है तो इस की जवाब देयी किसान भूमि मालिक की नही होगी

अत : होने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर, भोपाल ,जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, होशंगाबाद, सतना, सागर, रीवा, कटनी, छिंदवाड़ा, छतरपुर, गुना, सीधी, उमरिया, छग, उप्र, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, पंजाब एव नई दिल्ली से प्रसारित

सिंगल कॉलम

मध्य प्रदेश पर बढ़ा कर्ज का बोझ! नई सरकार ने फिर लिए 5000 करोड़ रुपये

इंदौर। मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार ने एक बार फिर से कर्ज लिया है. इस बार प्रदेश सरकार ने पांच हजार करोड़ का कर्ज लिया है. यह कर्ज तीन हिस्सों में लिया गया है. बता दें वित्तीय वर्ष 2023-24 में अब तक प्रदेश सरकार 27500 हजार करोड़ रुपए का कर्ज ले चुकी है. मध्य प्रदेश सरकार ने 20 फरवरी को बाजार से पांच हजार करोड़ रुपये का कर्ज लिया है. आरबीआई के माध्यम से गवर्मेन्ट सिक्युरिटीज का विक्रय कर यह कर्ज कुल तीन हिस्सों में लिया गया है. पहला कर्ज 1,500 करोड़ 16 वर्ष और इतनी ही राशि का दूसरा कर्ज 20 वर्ष के लिए लिया गया. 2000 करोड़ का तीसरा कर्ज 21 वर्ष में चुकाया जाएगा. तीनों ही कर्ज पर साल में दो बार कूपन रेट पर ब्याज का भुगतान भी किया जाएगा. अब तक 32 हजार करोड़ का कर्ज बता दें मध्यप्रदेश की सरकार वित्तीय वर्ष 2023.24 में अब तक कुल 27 हजार 500 करोड़ रुपए का कर्ज ले चुकी है. 5000 करोड़ के इस कर्ज को मिला लिया जाए तो यह राशि 32 हजार 500 करोड़ हो गई है. 31 मार्च 2023 की स्थिति में सरकार पर तीन लाख 31 हजार करोड़ रुपए से अधिक कर्ज है. उल्लेखनीय यह भी है कि इसी माह 06 फरवरी को डॉ. मोहन यादव की सरकार ने तीन हजार करोड़ रुपए का कर्ज लिया था. प्रदेश सरकार के कर्ज लेने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सरकार को घेरा है. पटवारी ने ट्वीट कर लिखा कि नरेन्द्र मोदी जी के चुनावी वादे और मोदी की चुनावी गारंटी के बावजूद लाड़ली बहनों को 3000 रुपये प्रतिमाह नहीं दिए जा रहे. धान का समर्थन मूल्य 3100 प्रति क्विंटल घोषित करने के बावजूद नहीं दिया गया. वहीं गेहूं को लेकर भी 2700 प्रति क्विंटल सिर्फ चुनावी जुमला ही साबित हो रहा है. सरकारी भर्तियों में खुलेआम धांधली चल रही है. सरकार की जांच रिपोर्ट संदिग्ध साबित हो रही है. युवा सडकों पर उतरकर भाजपा सरकार के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं. इसके बावजूद बीजेपी की प्रदेश सत्ता बेपरवाह है. एक ओर आर्थिक अराजकता का बढ़ता दायरा प्रदेश को कर्जदार बना रहा है, वहीं दूसरी तरफ युवा, गरीब, किसान और महिलाएं सरकारी वादों के पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं. लोकसभा चुनाव में उतरने की तैयारी कर रही बीजेपी पहले जनता के सवालों के जवाब दे, ताकि झूठे वादे करने वाले मुंह से फिर कोई नया झूठ निकल नहीं पाए.

इंदौर में अनलोड हुआ चौथा कोच सेट, डिपो में मेट्रो की कतार

सिटी चीफ इन्दौर

बुधवार को गांधी नगर डिपो में मेट्रो के कोच के चौथा सेट ट्राले से अनलोड कर विशेष क्रेन की मदद से परिसर में बने ट्रैक पर रखा गया। चौथे सेट के तीनों कोच को आपस में जोड़ा गया और निरीक्षण यार्ड में ले जाया गया।अभी निरीक्षण यार्ड में तीन कोच को रखा गया है। इन तीनों कोच का परिसर में बने 900 मीटर के टेस्टिंग ट्रेक पर जांचा जा रहा है। इंदौर में मेट्रो संचालन के दौरान 25 सेट का उपयोग होना है। वर्तमान में गांधी नगर डिपो में चार सेट पहुंच चुके हैं। इस माह के अंत तक एक ओर कोच आने की संभावना है। गांधी नगर स्टेशन से टीएसएस तक 5.9 किलोमीटर प्रायरिटी कारिडोर पर इन कोच का संचालन होना है। गांधी नगर डिपो परिसर में खड़े मेट्रो में तीन कोच का जांच व परीक्षण किया जा रहा। एडीबी से 1600 करोड़ रुपये ऋ्रण की मिली स्वीकृति मेट्रो के एलिवेटेड कारिडोर के लिए मेट्रो रेल कार्पोरेशन प्रालि द्वारा अभी तक न्यू डेवलपमेंट बैंक से 1600 करोड़ रुपये की राशि ली गई है। मेट्रो के अंडरग्राउंड हिस्से में के रीगल तिराहे से एयरपोर्ट तक 8.8 किलोमीटर हिस्से में सात स्टेशन बनाए जाने हैं। इस हिस्से के निर्माण के लिए एशियन डेवलपमेंट बैंक से मेट्रो रेल प्रबंधन को 1600 करोड़ रुपये की राशि भी स्वीकृत हो गई। इस वजह से मेट्रो प्रबंधन द्वारा अंडरग्राउंड हिस्से के निर्माण के लिए टेंडर भी जारी कर दिए गए है।

इंदौर में जो घर मिनटों में आग में हुआ खाक, सितारा होटल से कम नहीं था

सिटी चीफ इन्दौर

क्लर्क कॉलोनी के जिस मकान में आग लगी वो किसी सितारा होटल से कम नहीं था। घर में वो हर सुविधा थी जो बड़े से बड़े होटलों में भी नहीं मिलती। आग की एक लो ने पूरा घर मिनटों में ख़ाक कर डाला।किराना कारोबारी (मांगीलाल बद्रीप्रसाद ब्रदर्स) जितेंद्र गोयल उर्फ़ पप्पू इस घटना से गहरे सदमे में है। उन्होंने पिछले वर्ष अप्रैल में ही मकान बनाया था। इसके पहले परदेशीपुरा में रहते थे। मकान बनाने का ऐसा जुनून था कि उन्होंने तीन प्लॉट बेच डाले। गृहप्रवेश पर भव्य आयोजन भी रखा। इसी घर से बड़े बेटे विकास की शादी करने का सपना देखा। आठ दिन बाद रिश्ता तय होना था। उसके पूर्व घर आग में जल गया। पत्नी अनीता भी चली (जलने से) गई। छोटा बेटा मयंक अस्पताल में भर्ती है।

जो व्यक्ति राम नाम का कवच पहनकर चलेगा उस पर नही पड़ेगा कलयुग का प्रभाव

सिटी चीफ इन्दौर

जो व्यक्ति राम नाम का कवच पहनकर चलेगा उस घर में कभी कलयुग का प्रभाव नहीं पड़ेगा। जिस परिवार में सत्संग की चर्चा होती है उस घर में साक्षात ईश्वर का वास होता है, इसलिए हर घर में सत्संग की चर्चा होना जरूरी है।शिव उदासीन है, भगवान के उत्सव से मंगल का प्राकट्य होता है। भगवान शिव सत्य के प्रेरक है, जहां कृष्ण है वहां धर्म है। कभी किसी की निंदा नहीं करना चाहिए। हर व्यक्ति सहज सरल रहना चाहिए। व्यक्ति अगर उच्च पद पर भी प्रतिष्ठित हो जाए तो कभी भी घमंड अहंकार नहीं करना चाहिए। यह बात आचार्य पं. शैलेंद्र तिवारी ने श्रीराम कथा में कही। वे शिव पार्वती विवाह उत्सव में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा श्रेष्ठ परंपराओं को सार्थक करना के लिए कार्य करे। इसके लिए पुरानी परंपराओं को समझे। हमें हर व्यक्ति का मान सम्मान करना चाहिए। भगवान राम का उच्चारण करने मात्र से ही परम शांति मिलती है। जो व्यक्ति राम का स्मरण करता है उसका कल्याण अवश्य होता है। आयोजन प्रमुख सुमित अवस्थी, सोनू नामदेव आकाश तोड़े ने बताया कि नौ दिवसीय श्री राम कथा में श्री शिव पार्वती विवाहोत्सव धूमधाम से मनाया गया। आचार्य पंडितों की उपस्थिति में वेद मंत्रों के बीच भगवान भोलेनाथ और पार्वती ने एक दूसरे को वरमाला पहनाई। बच्चे भगवान भोलेनाथ और पार्वती बने। सैकड़ों महिलाएं भजनों पर खूब झूमी। आचार्य पं. शैलेंद्र तिवारी ने विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया, कथा सुनने बड़ी संख्या में भक्तगण मौजूद थे, आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी श्री चिन्मयानंद महाराज ने वेद मंत्रों के बीच व्यासपीठ का पूजन अर्चन किया।

गुड़ का उपयोग बढ़ने शकर की मांग कमजोर, लंबी तेजी नहीं

सिटी चीफ इन्दौर

भारत में सर्दी का मौसम अब अंतिम चरण में पहुंच गया है और तापमान धीरे-धीरे बढ़ने लगा है, फिर भी शकर की मांग एवं कीमत में तेजी आने के संकेत नहीं मिल रहे हैं। सूत्रों के अनुसार मार्च के अंत तक शकर का घरेलू बाजार भाव वर्तमान स्तर पर रह सकता है या इसमें कुछ और नरमी आ सकती है। देश में शकर का पर्याप्त स्टाक उपलब्ध है और इसका उत्पादन भी पूर्व अनुमान से अधिक होने की संभावना है। फिलहाल गुड़ की खपत बढ़ रही है जबकि शकर की औद्योगिक मांग कुछ कमजोर बनी हुई है। आमतौर पर जाड़े के दिनों में गुड़ की खपत बढ़ जाती है। गुड़ को परंपरागत शकर का एक स्वास्थ्यवर्धक विकल्प माना जाता है। गुड़ का चलन बढ़ने से भी शकर की मांग प्रभावित हो रही है। एक उद्योग समीक्षक का कहना है कि कमजोर मांग के कारण शकर का दाम अगले कुछ सप्ताहों तक स्थिर या नरम रह सकता है और खुदरा बाजार में भी निश्चित रूप से 50 रुपये प्रति किलो तक नहीं पहुंच पाएगा। मुजफ्फरनगर (यूपी) के एक व्यापारी के अनुसार पिछले कुछ महीनों से गुड़ में काफी अच्छी मांग बनी हुई है और उपभोक्ता शकर के बजाए इसकी खपत पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं।शकर और गुड़ दोनों का खुदरा बाजार भाव 40-45 रुपये प्रति किलो के बीच चल रहा है। इससे गन्ना किसानों को कोल्हुओं पर 400 रुपये प्रति क्विंटल का दाम मिल रहा है जबकि शकर मिलों में 370 रुपये प्रति क्विंटल का ही मूल्य प्राप्त हो रहा है। इसके फलस्वरूप किसान शकर मिलों के बजाए गुड़ निर्माताओं को अपना गन्ना बेचने पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। उधर, आल इंडिया शुगर ट्रेड एसोसिएशन ने भी माना है कि अभी शकर बाजार में सीजनल नरमी है। मार्च तक स्थिति यही रहेगी और अप्रैल से ही शकर के दाम में कुछ तेजी आ सकती है, क्योंकि कोल्ड ड्रिंक्स निर्माताओं, मिष्ठान, आइसक्रीम आदि के साथ निर्यात में इसकी मांग बढ़ सकती है। इसके अलावा यदि रिसेलर्स के पास पाइप लाइन में स्टाक घट जाए तब भी शकर के दाम को कुछ समर्थन मिल सकता है। फिलहाल रिसेलर्स के पास पाइप लाइन में शकर का पर्याप्त स्टाक उपलब्ध है। इन दिनों इंदौर के बाजारों में शकर के दाम 3700 से लेकर 3775 रुपये प्रति क्विंटल तक बोले जा रहे है। शकर की आवक सात गाड़ी की रही। नारियल, खोपरा गोला और बूरे में कारोबार सामान्य रहा। भाव में स्थिरता रही। नारियल की आवक दो गाड़ी की रही। शकर- शकर 3700-3775, एम-शकर 3790-3820 गुड करेली कटोरा 4000-4100, लड्डू 4200-4300 बरफी 4700-4800 गिलास एक किलो 4600-4900 भैली 3800-3900 रुपये क्विंटल। नारियल- नारियल 120 भरती 1400-1450, 160 भरती 1450-1500, 200 भरती 1550-1600, 250 भरती 1650-1700 रु. प्रति बोरी और खोपरा गोला बक्सा 115-125, कट्टे 105-107 रु. प्रति किलो और खोपरा बूरा 2450-4550 प्रति 15 किलो। फलाहारी- सच्चामोती एगमार्क साबुदाना (1 किलो)-7360, सच्चासाबु एगमार्क खीरदाना (500 ग्राम)-7520, सच्चासाबु एगमार्क फूलदाना (नायलान) (500 ग्राम)-8210, सच्चासाबु एगमार्क चीनीदाना (500 ग्राम)-8110,गोपाल साबुदाना लूज (25 किलो)- 6790, अल्पहार/कुकरीजाँकी भगर मोरधन (500 ग्राम)- 9920 प्रति क्विंटल। रायल रतन साबुदाना (1 किलो) 7300, रायलरतन (500 ग्राम) 7360 व रायलरतन लूज 6800, रायल सच्चामोती पोहा एक किलो 5450 व 35 किलो पैकिंग में 4800, रायलरतन मोरधन (आधा किलो) 10500 रुपये। पूजन सामग्री - देशी कपूर 550 से 750, ब्रांडेड कपूर 750 से 800, पूजा बादाम 110 से 125, बेस्ट 175 से 190, पूजा सुपारी 475, अरीठा 130, सिंदूर (25 किलो) 7400 रुपये।

मसाले- हल्दी निजामाबाद 170 से 200, हल्दी लालगाय 260-265 कालीमिर्च गारबल 610 से 614 एटम 618 से 624, मटरदाना 667 से 675, जीरा ऊंझा 370 से 380, मीडियम 385 से 390 बेस्ट 410 से 425 सौंफ मोटी 95 से 125, मीडियम 175 से 225, बेस्ट 355 से 375, बारीक 350-400 , लौंग मीडियम 850 से 900, बेस्ट 950-965 सौंठ 295 से 325 बेस्ट 375 से 400, दालचीनी 245-255, जायफल 580-650, बेस्ट 700 जावत्री 1900-1950, बड़ी इलायची 1350 से 1400 बेस्ट 1450 से 1560, पत्थरफूल 351 से 375, बेस्ट 475, बाद्यान फूल 550 से 575, बेस्ट 750-775 शाहजीरा खर 350 से 360, ग्रीन 600-611, तेजपान 91-101, नागकेसर 750 से 775, धोली मूसली 2100 से 2250, सिंघाड़ा छोटा 90-105 बड़ा 115 हींग वनदेवी दाना751- 3450, पाउच में 10 ग्राम 3530, 121- 50 ग्राम 3250, पाउच में 10 ग्राम 3330, 111-50 ग्राम 3050, पाउच में 10 ग्राम 3130, पावडर 875-925 , हरी इलायची 11850-1900 मीडियम बोल्ड 2100 से 2300 बोल्ड 2400-2500 बेस्ट ए बोल्ड 2550-2800 और सफेद तिल्ली 148-155 बेस्ट 155-160 रुपये।

सूखे मेवे- काजू डब्ल्यू 240 नंबर 740-820, काजू डब्ल्यू 320 नंबर 700 से 710, काजू डब्ल्यू 300 नंबर 640-670, काजू जेएच 565-620 टुकड़ी 500-540, बादाम 550-570 बेस्ट 640-660 आस्ट्रेलियन बादाम बेस्ट 625-750 खसखस मीडियम 650-725 बेस्ट 1125-1225 तरबूज मगज 750-760 खारक 115-135 मीडियम 145 से 175 बेस्ट 225 से 250 ए. बेस्ट 301 किशमिश कंधारी 420 से 470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140 से 150 बेस्ट 170 से 190 , चारोली 1485 से 1550, बेस्ट 1600 मुनक्का 450 से 550 बेस्ट 650 से 900, अंजीर 750 से 900 बेस्ट 1150 से 1450 मखाना 650 से 785, मीडियम 825 से 875 बेस्ट 900-925, केसर ब्रांडेड 188 से 190 अन्य 145-150 पिस्ता 1300-1450 ईरानी 1500-1600, नमकीन पिस्ता 850-1000 अखरोट 450 से 500, बेस्ट 550 से 650, अखरोट गिरी 700 से 1050 जर्दालू 250 से 350, बेस्ट 450 से 550 गोंद नाइजीरिया 180-250, गोंद धावड़ा 400-700 रुपये।

छिंदवाड़ा में कांग्रेस को झटका.. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बालाघाट और छिंदवाड़ा में किया रोड शो

इस बार लाड़ली बहना के पैसे 1 मार्च को

बालाघाट/छिंदवाड़ा। सीएम डॉ. मोहन यादव बुधवार को बालाघाट पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने कई विकास व निर्माण कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इन विकास कार्यों में सड़कों, स्कूलों और स्वास्थ्य केंदों के लिए करीब 762 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। बालाघाट में सीएम ने लाड़ली बहनों के लिए बड़ी घोषणा की। मुख्यमंत्री यादव ने इस बार लाड़ली बहनों के खाते में 1 मार्च को ही राशि डालने की बात कही। अगले माह यानी मार्च में होली और महाशिवरात्रि जैसे अहम पर्व हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए सीएम ने 10 दिन पहले बहनों के खातों में राशि डाल देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस बार लाड़ली बहनों के खाते में 1 मार्च को 1250 रुपए डाल दिए जाएंगे। डॉ. मोहन यादव ने बताया कि होली और महाशिवरात्रि को देखते हुए राज्य सरकार ने यह निर्णय लिया है। सीएम ने बालाघाट में आयुर्वेद कालेज खोलने की भी बात कही। उन्होंने अनुमान जताया कि करीब 500 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे।

सीएम ने यहां राज्य सरकार की विभिन्न उपलब्धियां गिनाई। उन्होंने दोहराया कि सरकार के पास पर्याप्त पैसा है और हमारी कोई भी योजना बजट के अभाव में बंद नहीं की जाएगी। कार्यक्रम में सीएम यादव ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण ठुकरानेवाले अभागे हैं। वे बीजेपी कार्यालय भी पहुंचे जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया।

कार्यकताओं को संबोधित करते सीएम ने कहा कि देश में लगातार तीसरी बार भाजपा सरकार बनने वाली है और पीएम फिर नरेंद्र मोदी ही बनेंगे। अब तो कांग्रेस के बड़े नेता भी कहने लगे हैं कि अबकी बार 4 सौ पार। सीएम मोहन यादव ने कहा कि पीएम मोदी भारत को दुनिया में नंबर वन बनाने का लक्ष्य लेकर काम कर रहे हैं। बीजेपी कार्यालय से सीएम यादव रोड शो के रूप में निकले।

छिंदवाड़ा के कई कांग्रेस नेता बीजेपी में शामिल

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को फिर बड़ा झटका लगा है। छिंदवाड़ा में सीएम डॉ. मोहन यादव के मंच पर कांग्रेस के कई नेता भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा की सदस्यता लेने वालों में प्रदेश कांग्रेस महासचिव अज्जू ठाकुर और नगर पालिका पाढ़ूर्ना अध्यक्ष संदीप खाटोरे, सभापति, कई पार्षद शामिल हैं। सीएम डॉ. मोहन ने उन्हें भाजपा का दुपट्टा पहनाकर उनका भाजपा में प्रवेश कराया। सीएम ने कहा- छिंदवाड़ा जो प्रेम लुटा रहा है। जो हवा बह कर आ रही है। वह अपने आप में संकेत दे रही है। मैं आपको एडवांस में बधाई देता हूं। इस बार हनुमान जी की गदा घूमेगी और विजय भी हासिल करेगी भाजपा के पक्ष में। इसे कोई ताकत नहीं रोक सकती। सीएम ने कहा कि कई लोगों के मन डांवाडोल हो रहे हैं। आज नहीं तो कल हमारे परिवार में शामिल होंगे। छिंदवाड़ा पहुंचे सीएम डॉ. मोहन यादव का जोरदार स्वागत किया गया। सीएम ने चंदन गांव से आयोजन स्थल पोलो ग्राउंड तक रोड शो किया। इस दौरान जगह जगह उनका स्वागत किया गया।

आज जैसे को तैसा जवाब देने वाली सरकार

बालाघाट में सीएम मोहन यादव ने कहा कि पहले देश में डॉ. मनमोहन सिंह की नकारात्मक और भ्रष्टाचारी सरकार थी। उस दौरान सैनिकों के सिर से फुटबॉल खेलने की बात कही जाती थी। देश का सम्मान कम होने लगा था, लेकिन आज जैसे को तैसा जवाब देने वाली सरकार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सशक्त सरकार है। अब सर्जिकल स्ट्राइक होती है।

कार्यकर्ताओं के कारण ही सरकार बनती है

सीएम ने कहा कि कार्यकर्ताओं के प्रभाव, क्षमता, ताकत और ऊर्जा के कारण ही सरकार बनती है। कार्यकर्ता ही चुनाव जिताने के लिए सच्चे सिपाही के रूप में काम करते हैं। कोई काम छोटा-बड़ा नहीं होता। पार्टी ने हमें जो काम दिया है, वह हमें करना है।

भाजपा ही इकलौती ऐसी पार्टी है, जो वार्ड पार्षद को भी मुख्यमंत्री बना देती है। कार्यकर्ताओं को महत्व देने के कारण ही आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। हम जनकल्याण की भावना से काम करते हैं। हमारे लिए सब बराबर हैं।

आज बेईमानों की बोलती बंद

सीएम मोहन यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने कोविड काल में लोगों की मदद से लेकर जीवन सुरक्षित रखने के लिए वैक्सीन बनाई। लोगों की हिम्मत को टूटने नहीं दिया। जिसके कारण जनता ने भारी बहुमत की सरकार बना दी।

एंग्जायटी डिसआर्डर में उपयोगी दवा 10 से अधिक बीमारियों में प्रभावी, शोध से हुआ खुलासा

सिटी चीफ भोपाल।
एंग्जायटी डिसआर्डर में सबसे ज्यादा उपयोग की जाने वाली होम्योपैथी दवा काली फास (फास्फोरिकम) 10 से अधिक अन्य बीमारियों में भी प्रभावी है। भोपाल स्थित प्रदेश में एकमात्र सरकारी होम्योपैथी कालेज में एक वर्ष तक 40 रोगियों में किए गए शोध में यह जानकारी सामने आई है।प्रभाव का अध्ययन शोध के क्षेत्र में निर्धारित पैमाने से किया गया। होम्योपैथिक मटेरिया मेडिका विभाग से एमडी अंतिम वर्ष में अध्ययन कर रहीं डा. सुमीता मंगल ने विभाग की प्रोफेसर डा. शोभना शुक्ला के मार्गदर्शन में यह शोध किया। यह रिसर्च इंटरनेशनल जर्नल आफ होम्योपेथिक साइंसेस में प्रकाशित भी हो चुका है, जो होम्योपैथी का सबसे महत्वपूर्ण जर्नल माना जाता है। इन पर हुआ शोध शोध के दौरान काली फास की विभिन्न पावर

(ताकत या क्षमता) की चार-चार गोलियां तीन दिनों तक एवं तकलीफ के अनुरूप दी गईं। इसमें कई ऐसे रोगी भी शामिल थे जो लंबे समय से इन बीमारियों से परेशान थे। शोध के परिणाम प्रभावित न हों, इसलिए उन्हीं रोगियों को इसमें शामिल किया गया, जिन्हें दूसरी बीमारियां नहीं थीं और न ही कोई अन्य दवा चल रही थी। डा. सुमीता ने बताया कि उपचार के लिए आने वाले हर तीसरे-चौथे रोगी को यह दवा दी जाती है। अभी इसे एंग्जायटी डिसआर्डर यानी चिंता, इसके कारण होने वाली अनिद्रा, तनाव और थकान की समस्या होने पर दिया जाता है। ऐसे किया शोध डा. सुमीता मंगल ने 15 से 80 वर्ष तक के रोगियों पर यह शोध किया, जिसमें महिला-पुरुष दोनों शामिल थे। यह वे रोगी थे जिन्हें दूसरी बीमारियां नहीं थीं और न ही किसी पैथी की दवा चल रही थी। काली फास दवा देने के बाद उन्हें निर्धारित अवधि में तीन बार बुलाकर दवाओं के प्रभाव के बारे में जानकारी एकत्र कर विश्लेषण किया गया। रोगियों में दवाओं का प्रभाव चार श्रेणियों में मापा गया। उल्लेखनीय, मध्यम, मामूली और नगण्य। इनमें 15 प्रतिशत को उल्लेखनीय, 32.5 प्रतिशत को मध्यम, 40 प्रतिशत को मामूली और 12.5 प्रतिशत को कोई लाभ नहीं हुआ। इन बीमारियों में भी प्रभावी है दवा अनिद्रा, सिरदर्द, कमजोरी, कमर व पीठ दर्द, माइग्रेन, हाई ब्लड प्रेशर, थायराइड, फिशर, कब्जियत, बाल झड़ना, दांतों का दर्द, पेट में कीड़े, जोड़ों में दर्द और सूजन।

महिला कर्मचारी ने कलेक्ट्रेट अधीक्षक पर लगाए छेड़छाड़ के आरोप, बाद में मुकरी

सिटी चीफ भोपाल।
कलेक्ट्रेट में काम करने वाली एक ठेका महिला कर्मचारी ने अधीक्षक पीएस गुणवान पर छेड़छाड़ के आरोप लगाए हैं। इसकी शिकायत जब कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह से की गई तो उन्होंने आंतरिक परिवाद समिति की महिला अधिकारियों को मामले की जांच सौंपी। हालांकि जांच के दौरान महिला ने दिए अपने बयान में घटना होने से इन्कार कर दिया है। इसी जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।जानकारी के अनुसार कलेक्ट्रेट अधीक्षक पर एक सप्ताह पहले ठेका महिला कर्मचारी ने कलेक्टर से मौखिक रूप से कार्यालय में छेड़छाड़ होने का आरोप लगाया था। शिकायत सुनते ही कलेक्टर ने निर्देश दिए कि आंतरिक परिवाद समिति जांच करे।

समिति की महिला अधिकारियों ने दोनों पक्षों सहित अन्य लोगों के बयान दर्ज कराए। जिसमें पीड़ित ने अधीक्षक पर कार्रवाई नहीं करने और समझाइश देने की बात कही। समिति प्रभारी डिप्टी कलेक्टर अर्चना शर्मा ने बताया कि शिकायत के आधार पर दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर रिपोर्ट कलेक्टर को सौंप दी गई है। वहीं अधीक्षक का कहना है कि कर्मचारी से काम से संबंधित बात की गई थी। छेड़छाड़ जैसी कोई बात नहीं है। कलेक्टर का कहना है कि समिति का प्रतिवेदन मिल गया है। उसको देखने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पशुओं पर क्रूरता पर मिलेगा कड़ा दंड

निगरानी के लिए जिलों में समिति बनाने की तैयारी

सिटी चीफ भोपाल।
प्रदेश में पशुओं पर क्रूरता के मामले सामने आते रहे हैं। अब इसे रोकने के लिए हर जिले में कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला पशु क्रूरता निवारण समिति बनाई जाएगी। इस समिति के अधीन काम करने वाली संस्थाओं और समितियों को वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है। यह समितियां लोगों को जागरूक करेंगी। बाद में क्रूरता करने वालों के विरुद्ध दंड का विधान भी राज्य सरकार कर सकती है।पशुओं से क्रूरता विभाग के अधिकारियों की मंत्री की उपस्थिति में इसी माह हुई एक बैठक में इस पर चर्चा की गई है। अब इस संबंध में प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा जाएगा। लगभग एक वर्ष पहले सतना में

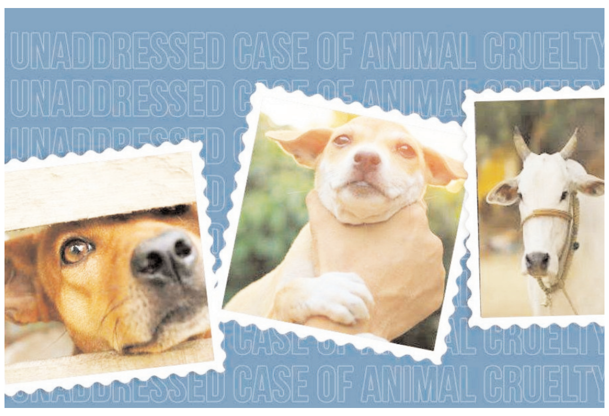

एक नदी में 50 से अधिक पशुओं को तैराकर 10 से अधिक लोगों द्वारा पीटने का मामला चर्चा में आया था। इसके बाद अन्य जगह भी घटनाएं सामने आ चुकी हैं। बैठक में मप्र गोसंवर्धन बोर्ड की कार्यपरिषद के तत्कालीन अध्यक्ष महामंडलेश्वर अखिलेश्वरानंद गिरि सहित सभी ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया था। कुछ सदस्यों ने यह भी सुझाव दिया कि पशुओं पर क्रूरता करने वालों के विरुद्ध दंड का प्रविधान भी किया जाना चाहिए। इसके लिए प्रस्ताव कैबिनेट को भेजा जाएगा।

सेंट्रल लाइब्रेरी में युवाओं के लिए ओपन सेमिनार जीव जागरण धर्म यात्रा का नगर भ्रमण

सिटी चीफ भोपाल।
शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। गुरुवार 22 फरवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।जीव जागरण शोभायात्रा - प्रदेश की तमाम संगतों द्वारा जगह-जगह से प्रारंभ हुई जीव जागरण धर्म शोभायात्राएं आज भोपाल नगर में भ्रमण कर भेल जंबूरी मैदान पहुंचेंगी। जहां पर 23, 24 फरवरी को माघ पूर्णिमा पर्व पर विशाल सत्संग समागम होगा। पूज्य संत बाबा उमाकान्त

महाराज लोगों को शाकाहारी, सदाचारी और नशा मुक्त रहने की प्रेरणा देंगे और उन्हें ईश्वरवादी धर्मपरस्त बनाने के लिए ईश्वर से मिलने का सरल सुगम रास्ता भी बताएंगे।माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में फरवरी माह के प्रादर्श के रूप में भूटिया समुदाय के आध्यात्मिक उपक रण फुरबा लेबस एवं 75 दिन की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। इस सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में सुप्रसिद्ध मेंटर, संस्थापक सिविल सर्विस क्लब लक्ष्मी शरण मिश्रा उपस्थित रहेंगे। चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में गोंड चित्रकार संतू तेकाम के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया गया है। इस प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से रात आठ बजे तक देखा जा सकता है। विरासत हैंडलूम प्रदर्शनी - त्रिलंगा स्थित पुराने माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय परिसर में विरासत हैंडलूम प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। 25 फरवरी तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में महिलाओं के समूहों द्वारा तैयार किए गए हस्तशिल्प एवं हाथकरघा उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं। प्रदर्शनी में प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों के 20 से अधिक बुनकर अपने उत्पाद लेकर आए हैं।

नजीराबाद में बिजली कंपनी के कर्मचारी को सरेराह गोली मारी

सिटी चीफ भोपाल।
राजधानी के नजीराबाद थाना इलाके में बाइक सवार तीन युवकों ने दिनदहाड़े बिजली कंपनी के एक कर्मचारी पर फायर कर दिया। गोली उसके बाएं पैर की जांघ में लगी है। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है।नजीराबाद थाना पुलिस के मुताबिक ग्राम मजीदगढ़ निवासी 40 वर्षीय अर्जुन साहू बिजली कंपनी में निजी कर्मचारी है। वह मंगलगढ़ में ड्यूटी करता है। बुधवार दोपहर को वह मंगलगढ़ से घर जाने के लिए कार से निकला था। मंगलगढ़ और ग्राम रुनाहा के बीच वह सड़क किनारे कार खड़ी कर पेशाब कर रहा था, तभी उसकी कार के पास एक बाइक पर सवार तीन युवक पहुंचे। वह कुछ समझ पाता, तभी उसे फायर की आवाज सुनाई दी। उसने देखा कि उसके बाएं पैर की

जांघ से खून निकल रहा है। तब तक बाइक सवार युवक वहां से फरार हो चुके थे। तकलीफ बढ़ने लगी, तो अर्जुन ने घटना की सूचना फोन करके स्वजन को दी। इसके बाद स्वजन मौके पर पहुंचे और अर्जुन को उपचार के लिए भोपाल लेकर आए। उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर है।

तेज रफ्तार बस और मजदूरों से भरे ट्रैक्टर में आमने सामने की भिड़ंत, 16 लोग घायल, 2 की हालत गंभीर

सिटी चीफ ग्वालियर
मल्लगढ़ा रोड के पास तेज रफ्तार बस और मजदूरों से भरे ट्रैक्टर में आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इस हादसे में सोलह लोग घायल हो गए। इसमें बारह मजदूर और चार यात्री शामिल हैं। सूचना मिलने पर पुलिस यहां पहुंच गई। घायलों को अस्पताल भिजवाया गया। दो मजदूरों की हालत गंभीर बताई गई है। घायलों को जयारोग्य अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।ग ?वालियर की ओर से आ रही थी बस मुरैना से यात्रियों से भरी बस ग्वालियर की ओर आ रही थी। जबकि ट्रेन से ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर उतरे मजदूरों को लेकर ट्रैक्टर मुरैना की ओर जा रहा था। मल्लगढ़ा रोड के पास दोनों वाहन आमने-सामने टकरा गए। इसके बाद बस पलट गई। बस पलटने से चीख पुकार मच गई। यहां से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सीएसपी महाराजपुरा नागेंद्र सिंह सिकरवार, पुरानी छावनी थाना प्रभारी विनय सिंह तोमर फोर्स के साथ पहुंच गए। घायलों को अस्पताल

भिजवाया गया। यह हुए घायल इस हादसे में हरजू बाथम निवासी झांसी, रामकुमार निवासी ललितपुर, रामकिशन निवासी झांसी, रमादेवी निवासी झांसी, राजकुमारी निवासी झांसी, मूलचंद्र निवासी झांसी, कालीचरण निवासी धर्मपुरा निवाड़ी, गुड्डी देवी निवासी धर्मपुरा, पूजा निवासी झांसी, चंदु उर्फ चंद्रभान निवासी झांसी, दुर्गप्रसाद निवासी झांसी, रोहित निवासी झांसी, प्रदीप गुर्जर, जसवंत, प्रदीप और रणवीर शामिल हैं। चालक की लापरवाही से हुआ हादसा यह हादसा बस चालक की लापरवाही से हुआ। यात्रियों ने बताया कि वह तेज रफ्तार में बस दौड़ा रहा था। मोड़ पर भी गति धीमी नहीं की। इससे यह हादसा हो गया।

एमसीयू में अनियमितताओं को लेकर एबीवीपी ने किया धरना-प्रदर्शन

सिटी चीफ भोपाल।
राजधानी में स्थित माखनलाल पत्राकरिता विश्वविद्यालय (एमसीयू) में बुधवार को अनियमितताओं को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को प्रदर्शन किया। दोपहर एक बजे से शाम पांच बजे तक एबीवीपी के छात्र कार्यकर्ता धरने पर बैठे रहे और प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। चार घंटे तक चले जोरदार प्रदर्शन और हंगामे के बाद कुलपति केजी सुरेश ने छात्रों की समस्याओं को ठीक करने का आश्वासन दिया। इसके बाद छात्र-छात्राएं धरना समाप्त करने के लिए माने। उन्होंने अपनी मांगों को लेकर कुलसचिव को ज्ञापन दिया।ज्ञापन में मांग की है कि विवि के बालक एवं बालिका छात्रावास के मेस में खाने को लेकर समस्या बनी हुई है। खेल मैदान अस्त-व्यस्त है। संस्थान में लोकपाल नियुक्ति नहीं हुई है। विश्वविद्यालय में लोकपाल न नियुक्त करने पर यूजीसी द्वारा डिफाल्टर घोषित कर दिया गया है। विद्यार्थियों से सेमेस्टर फीस पर बिना वजह लेट फीस ली जा रही है। काशन मनी रिफंड होने की कोई समय सीमा नहीं है। इस प्रकार करीब एक दर्जन समस्याओं को लेकर ज्ञापन दिया गया है। विद्यार्थी परिषद ने एमसीयू प्रबंधन से मांग की है कि जल्द से जल्द इन अनियमितताओं का समाधान हो, अन्यथा छात्र-छात्राएं पुनः आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

भदभदा बस्ती में आज लोगों की सहमति से 110 घरों पर चलेगा बुलडोजर, वैकल्पिक जगहों पर शिफ्ट करेंगे

सिटी चीफ भोपाल।
राजधानी में बड़ा तालाब के नजदीक होटल ताज के सामने स्थित भदभदा बस्ती में लगातार दूसरे दिन अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जारी रहेगी। बुधवार को यहां लोगों की सहमति से 30 मकान जमींदोज किए गए थे, वहीं 110 और लोगों ने अपने मकान हटाने की सहमति जिला प्रशासन को दे दी है। ऐसे में गुरुवार को इन मकानों पर भी बुलडोजर चलेगा। इन मकानों को जिला प्रशासन और नगर निगम की टीम ने चिह्नित कर लिया है। बता दें कि एनजीटी के आदेश पर यह कार्रवाई हो रही है। इस बस्ती में कुल 386 मकान हैं। लोगों ने घरों से हटाया सामान जिन 30 लोगों ने अतिक्रमण हटाने की सहमति दी, उन्हें एक-एक लाख रुपये के चेक दिए गए। वहीं 110 लोगों ने और सहमति दे दी है, इनमें 16 लोगों ने अपने सामान हटा लिए हैं। उधर, जिला प्रशासन ने इनके चेक भी बना लिए हैं। गुरुवार

सुबह इन मकानों को गिराने की कार्रवाई शुरू होगी। चांदपुर जाने को तैयार नहीं कई रहवासी प्रशासन ने रहवासियों को विस्थापन के लिए तीन विकल्प दिए हैं। पहला एक-एक लाख रुपये मुआवजा। दूसरा 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता के साथ हाउसिंग फार आल के तहत मकानों का आवंटन, जबकि तीसरा विकल्प अचारपुरा के पास चांदपुर में जमीन और आर्थिक सहायता। हालांकि भदभदा बस्ती के अधिकांश लोग चांदपुर जाने को रहवासी तैयार नहीं हैं। स्कूली बच्चे और बीमार परेशान इस समय स्कूली बच्चों की परीक्षाएं चल रही हैं। बस्ती के अतिक्रमण रोधी कार्रवाई के दौरान हर छोर में पुलिसकर्मी मौजूद हैं। सारे रास्ते बंद कर दिए गए हैं। बच्चे किसी तरह स्कूल तो चले जाते हैं, लेकिन वापस आने में परेशानी होती है। यही हाल बीमार लोगों का है। इधर, घर टूटने के डर से भी कई लोग बीमार हो गए हैं तो कुछ ने खाना भी छोड़ दिया है।

चप्पे-चप्पे पर तैनात थी पुलिस, नाकाबंदी कर की गई कार्रवाई भोपाल के होटल ताज के ठीक सामने झुग्गी बस्ती भदभदा से बुधवार सुबह अतिक्रमण हटाया जाना शुरू हुआ। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने तीनों तरफ के रास्तों को स्टापर लगाकर बंद कर दिया गया था। पुलिस के करीब 11 सौ जवानों को तैनात किया गया था। किसी को भी इस दौरान आने जाने की अनुमति नहीं थी। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान आसपास के लोग भी देखने पहुंच गए थे।

संपादकीय

लोकतंत्र की जननी-वैशाली आधा सच आधा फ़साना

चंदन चौबे
लेखक/पत्रकार

एक जिला है वैशाली जो बिहार में स्थित है जिसे लोकतंत्र की जननी भी कहते हैं आज विश्व में जिसके लोकतंत्र को अपनाया जा रहा है जिसने विश्व को गणतंत्र का पाठ पढ़ाया जी हां वहीं है वैशाली आप सब ये सोच रहे होंगे की वैशाली जहां से लगभग छठी शताब्दी ईसा पूर्वनेपाल की तराई से लेकर गंगा के बीच फैली भूमि पर वज्जियों तथा लिच?छवियों के संघ (अष्टकुल) द्वारा गणतांत्रिक शासन व्यवस्था की शुरुआत की गयी थी। यहां का शासक जनता के प्रतिनिधियों द्वारा चुना जाता था। प्राचीनकाल में वैशाली बहुत ही समृद्ध क्षेत्र हुआ करता था। कहा जाता है कि इस नगर का नामकरण राजा विशाल के नाम पर हुआ है। विष्णु पुराण के अनुसार यहां पर लगभग 34 राजाओं ने राज किया था। पहले नभग और अंतिम सुमति थे। राजा सुमति भगवान राम के पिता राजा दशरथ के समकालीन थे। बौद्धकाल में यह नगरी जैन और बौद्ध धर्म का केंद्र थी। यह भूमि महावीर स्वामी की जन्मभूमि और भगवान बुद्ध की कर्मभूमि है। इसी नगर क्षेत्र के बसोकुंड गांव के पास कुंडलपुर में जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्म हुआ था। भगवान महावीर वैशाली राज्य में लगभग 22 वर्ष की उम्र तक रहे थे। यहां कई अशोक स्तंभ के अलावा कुछ बौद्ध स्तूप है और यही 4 किलोमीटर दूर कुंडलपुर में जैन मंदिर भी स्थित हैं। जिसकी महानता इतनी है उसकी महानता को और स्मृतियों को डूबाया क्यूं जा रहा? लोकतंत्र के पुजारियों का ध्यान क्यूं नहीं लोकतंत्र की जननी पर - वैशाली की महानता किसी से छिपी नहीं है सम्पूर्ण विश्व जानता है देश की धरोहरों में से एक कही जाने वाली वैशाली पर किसी लोकतंत्र के पुजारियों पर क्यूं नहीं जा रही वैशाली जिले के महान क्रांतिकारी स्व अमर शहीद बैकुंठ शुक्ल जी ने शहीद भगत सिंह के मौत का बदला लिया जब देश में भगत सिंह के मौत के खिलाफ बदले की आग देशवासियों के मन में जगह बना रही थी वैसे वैशाली पर? किसी का ध्यान नहीं चुनावी मंच तक ही सीमित है वैशाली जिले की महानता- वैशाली जहां से स्व रघुवंश बाबू, स्व रामविलास पासवान एवं वर्तमान में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय व कई महान नेताओं की भूमि है जहां से देश के विकास में अहम भागीदारी होती है बावजूद इसके वैशाली की स्मृतियों व वैशाली का अद्भुत ज्ञान, त्याग,प्रेम व अमूल्य धरोहर पर नेता ध्यान नहीं दे रहे न ध्यान दें रही है सरकार चुनाव में व बड़े मंच से नेतागण व वर्तमान प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ने अनेकों बार वैशाली के जनता को लुभाने के लिए वैशाली की महानता को दर्शाया हर भाषण स्वयं को लोकतंत्र के पुजारी और भारतीय संविधान के अनुयाई बताने वाले नेता कभी भी ना ही लोकतंत्र की रक्षा करते हैं ना ही संविधान का सम्मान अब वैशाली की स्थिति को देखकर ये प्रतीत होता है की ये हर रोज हजारों बार लोकतंत्र की हत्या और संविधान का विरोध किसी न किसी रूप करते हैं वो दिन दूर नहीं जब हम अमूल्य व महान वैशाली की स्मृतियां सिर्फ यादों और किताबों तक सिमट कर रह जाएगी। 2022 में यास तुफान में वैशाली के तमाम स्मृतियों का किया था बुरा हाल-य इस तुफान में वैसे तो बिहार के तमाम जगहों की स्थिति बुरी थी अगर बात करें वैशाली की स्मृतियों की तो घूटने भर गंदे पानी से लबालब भरा वैशाली के पार्क व राजा विशाल गढ़ व अन्य स्मृतियों की स्थिति देखते ही बनती थी पर पर्यटन विभाग से लेकर स्थानीय नेता व सरकार किसी का ध्यान वैशाली पर नहीं गया हमेशा के तरह फिर चुनाव होंगे फिर बयानबाजी होगी फिर मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री का आगमन होगा सब वादों पर एक वादा सिमट जाएगा और नहीं ध्यान आकृष्ट कर पाएगी लोकतंत्र की जननी वैशाली

समाजः कोविड ने बदल दी दुनिया छोटे शहरों का रुख करती जिंदगी

कोविड के बाद एक मौन आंदोलन के तहत लोग बड़े से छोटे शहरों में रहना ज्यादा पसंद करने लगे हैं, जहां वे सामुदायिक भावना को शहरी अराजकता पर तरजीह देते हुए कामयाबी को नई तरह से परिभाषित कर रहे हैं।कोविड ने दुनिया को बदलकर रख दिया। यह हम सभी जानते हैं कि इससे मानव जीवन की विनाशकारी क्षति हुई, लेकिन इसने एक मौन आंदोलन को भी जन्म दिया, जिस पर ध्यान नहीं दिया गया। लोग बड़े शहरों से छोटे शहरों में स्थानांतरित होने लगे और उन्होंने शांत व धीमी गति वाले जीवन को चुना। मैंने खुद ऐसा किया है, मिलेनियम सिटी गुरुग्राम से मैं एक छोटे घाटी शहर देहरादून में स्थानांतरित हो गई हूं। हालांकि मैं इन दोनों शहरों में आती-जाती रहती हूं, लेकिन अब मैं अपना ज्यादातर समय देहरादून में ही बिताती हूं, जो एक छोटा अनोखा शहर है और शैक्षणिक संस्थानों, सेना और सेवानिवृत्त लोगों का प्रमुख केंद्र भी है। यहां जिंदगी की रफ्तार थोड़ी धीमी है, लेकिन हवा अपेक्षया साफ है। कोविड के दौरान, विशेष रूप से डेल्टा वायरस की लहर के समय, जब अस्पतालों में बिस्तर और ऑक्सीजन की कमी हो गई थी, लोगों ने यह सोचना शुरू कर दिया था कि बड़े शहरों में रहने के नुकसान ज्यादा हैं। सामान्य दिनों में लंबा ट्रैफिक जाम, वायु गुणवत्ता की बदतर स्थिति, चरम मौसमी स्थितियां और व्यस्त व आक्रामक सामाजिक माहौल ऐसी चीजें हैं, जो लोगों को बड़े शहरों से दूर कर रही हैं। कोविड काल के बाद प्रचलित मिश्रित कार्य-संस्कृति का मतलब यह भी है कि जो लोग खर्च उठाने में सक्षम हैं, वे तेजी से स्थानांतरित हो रहे हैं। चाहे राजमार्गों का विकास हो या उड़ान योजना, पिछले दस वर्षों में बढ़ी कनेक्टिविटी ने भारत को आपस में अधिक जोड़ा है। इसके साथ ही इंटरनेट ने भी दूरियां कम की हैं। और यह सब इतनी तेजी से बदला है कि हैरानी होती है। एक दशक पहले जब मैं टीवी बहस में शामिल होती थी, तो कैमरामैन, लाइटमैन और साउंडमैन के साथ एक बड़ी ओबी वैन आती थी। वे लोग मेरे घर में लाइट और कैमरा लगाते थे, मुझे लाइव टीवी स्टूडियो से जोड़ते थे। आज मैं चाहे दुनिया में कहीं भी रहूं, जूम के माध्यम से टीवी बहस में शामिल हो सकती हूं। यह एक ऐसा बदलाव है, जो मैंने अपनी आंखों से देखा है। अस्तित्व के संकट और परिस्थितिवश मजबूरी में लोग बड़े शहरों में रहने के लिए बाध्य होते थे, लेकिन अब कई लोग ऐसी बाध्यता महसूस नहीं करते हैं। देहरादून में मेरे अपार्टमेंट में एक नई बात यह है कि यहां बहुत से वरिष्ठ नागरिक हैं, लेकिन तीस से चालीस की उम्र के लोगों की संख्या भी कम नहीं है, जो बड़े से छोटे शहरों में शहरी परिप्रेक्ष्य लेकर आए हैं और साथ ही संतोष की हवा भी। भारत में हुए तीव्र विकास से उन लोगों के लिए छोटे शहरों में रहना आसान हो गया है, जो बड़े शहरों में रहने के आदी हैं। साथ ही स्वास्थ्य सुविधाओं में भी काफी सुधार हुआ है। जीवन-शैली में बदलाव अब उतना कठोर नहीं रह गया है, जितना पहले माना जाता था। असल में जीवन-यापन की लागत सस्ती हो गई है और पैसे के लिहाज से अचल संपत्ति का मूल्य बढ़ गया है। शिक्षा के प्रचुर अवसर हैं और सार्वजनिक परिवहन सुविधाजनक है। मेरे बचपन में दिल्ली से देहरादून पहुंचने में रुकते हुए सात से नौ घंटे लगते थे, लेकिन अब मुश्किल से चार घंटे लगते हैं तथा इसमें और कमी होने वाली है। गुरुग्राम से जयपुर मात्र तीन घंटे दूर है और बीस साल पहले गाड़ी से इतनी दूरी तय करने में पांच घंटे लगते थे। छोटे शहर सामाजिक रूप से घुलने-मिलने के भी काफी अवसर प्रदान करते हैं, लोगों के पास काफी समय होता है और वे एक-दूसरे का साथ ढूंढते हैं।बड़े शहरों, जहां मानव अस्तित्व एक निश्चित संकीर्णता में घिर गया है, के विपरीत देश के छोटे शहरों और कस्बों में समुदाय की अवधारणा अब भी काफी जीवित है। जब यह सदी शुरू हुई होगी, तो शायद ही किसी ने सोचा होगा कि भारत के लोग छोटे शहरों में जाना चाहेंगे, लेकिन आज हम छोटे शहरों की तरफ रुख कर रहे हैं। जीवन की गुणवत्ता, यात्रा में आसानी और ई-कॉमर्स-इन सबने इस बदलाव का मार्ग प्रशस्त किया है। अब चुनौती यह है कि छोटे शहरों की गुणवत्ता बनाकर रखी जाए और इन्हें शहरी फैलाव न बनने दिया जाए। विवेकपूर्ण शासन से ऐसा संभव है। इसके अलावा यह प्रवासन भारतीयों की प्राथमिकता और मूल्यों में ठोस बदलाव को भी दर्शाता है, जो इस पारंपरिक आख्यान को चुनौती देता है कि सफलता महानगरीय जीवन का पर्याय है। भारत के लोगों में आत्मबोध और सांस्कृतिक जागरूकता का विकास तेजी से हो रहा है। पश्चिमी जीवन-शैली का अंधानुकरण थम गया है और लोगों ने उस जीवन-शैली की विफलता को पहचान लिया है। समुदाय और परिवार पर ध्यान केंद्रित करने वाली भारतीय जीवन-शैली ऐसी समृद्धि लाती है, जिसकी गणना नहीं की जा सकती। मानसिक स्वास्थ्य की मूक महामारी से बच्चे भी प्रभावित हो रहे हैं, इसलिए आधुनिक समय में यह बेहद महत्वपूर्ण हो गया है कि हम अपने मूल्यों के साथ तालमेल बिठाएं और उसे समृद्ध करें। और यह पूरी तरह संभव है। लंबी जीवन-प्रत्याशा वाले भौगोलिक क्षेत्रों यानी ब्लू जोन्स का अध्ययन दर्शाता है कि इसका एक प्रमुख कारण सामुदायिक जीवन जीना और दूसरे मनुष्यों के साथ व्यक्तिगत रूप से जुड़े रहने से लंबा और स्वस्थ जीवन जीने में मदद मिलती है- फोन या इंटरनेट पर नहीं। जैसे-जैसे ज्यादा भारतीय सफलता को फिर से परिभाषित करेंगे और चूहा-दौड़ से अधिक कल्याण को प्राथमिकता देंगे, बड़े शहरों से छोटे शहरों में जाने का चलन बढ़ेगा, देश के जनसांख्यिकी स्वरूप में बदलाव होना जारी रहेगा। यह जीवन के प्रति अधिक संतुलित और समग्र दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है, जो इस पारंपरिक ज्ञान को चुनौती देता है कि शहरीकरण ही समृद्धि का अंतिम रास्ता है। छोटे शहरों की शांति को अपनाकर अब लोग कामयाबी की नई परिभाषा तलाश रहे हैं, जो अराजक शहरी जीवन-शैली के ऊपर खुशी, स्वास्थ्य और सामुदायिक भावना को तवज्जो देती है। गांधी जी ने जिस भारत को गांवों में बताया था, वह नए समय में छोटे-छोटे शहरों में भी दिखाई देता है।

अमीन सयानी ने मनोरंजन की दुनिया में रेडियो का मधुर व्याकरण रचा

अमीन सयानी यानी आवाज की दुनिया के सुपर स्टार। बचपन में जब अमीन सयानी का हर दिल अजीज कार्यक्रम 'बिनाका गीतमाला' सुनते तो लगता था कि यह आवाज किसी दूसरी दुनिया से आती है।अमीन सयानी यानी आवाज की दुनिया के सुपर स्टार। बचपन में जब अमीन सयानी का हर दिल अजीज कार्यक्रम 'बिनाका गीतमाला' सुनते तो लगता था कि यह आवाज किसी दूसरी दुनिया से आती है। ऐसी आवाज जो मानो रेडियो के लिए ही बनी है और रेडियो अमीन सयानी के लिए। कल के रेडियो उद्घोषक और आज के रेडियो जॉकी अमीन सयानी की जानदार आवाज और अदायगी को के प्रति श्रोताओं की जबर्दस्त दीवानगी को शायद ही समझ पाएं। वो जमाना था जब बड़े-बड़े फिल्म स्टार भी अमीन सयानी से मिलने को बेताब हुआ करते थे। दरअसल अमीन सयानी ने आजाद भारत में मनोरंजन की दुनिया में रेडियो एक नया और मधुर व्याकरण रचा। शुष्क समाचार और धीर गंभीर सूचनाओं और शास्त्रीय संगीत से परे जाकर आम आदमी की जबान में आम आदमी से सहज और दिलकश संवाद की नींव अमीन सयानी ने अपनी युवावस्था में रखी। उसी नींव पर आज टी.वी चैनल्स और एफएम रेडियो की दुनिया खड़ी है। यह कहना गलत नहीं होगा कि अमीन सयानी भारतीय रेडियो की दुनिया के 'पितृ पुरूष' थे। अमीन सयानी को सिर्फ इसलिए याद नहीं किया जाएगा कि उन्होंने बिनाका गीतमाला के रूप में हिंदी फिल्मों की लोकप्रियता का पैमाना तय करने वाला कार्यक्रम 42 साल तक होस्ट किया, बल्कि इसलिए भी याद किया जाएगा कि उन्होंने रेडियो की जनोन्मुखी, संवादात्मक और सहज सम्प्रेषणीय भाषा भी रची। अमीन सयानी जिस भाषा में उद्घोषणा करते थे, इसके माध्यम से रोचकता का संसार रचते थे, वह हिंदी और उर्दू का मीठा मिश्रण होता था। बात यह है कि अमीन सयानी ने अंग्रेजी उद्घोषक के रूप में करियर की शुरूआत की थी। लेकिन बाद में वो हिंदी उद्घोषणा की मील का पत्थर बन गए। अपनी सरल लेकिन प्रभावी शब्द संपदा के साथ हिंदी उर्दू के कठिन शब्दों का शुद्ध और नफासत भरा उच्चारण, स्वराघात, लय और प्रांजल सम्प्रेषणीयता अमीन सयानी की जुबान की ऐसी खूबियां थीं कि लोग उनकी सामान्य बातचीत पर भी मोहित हो जाते थे। बीती सदी में साठ और सत्तर के दशक में हर युवा उद्घोषक अमीन सयानी की नकल करने की कोशिश करता था और वैसा ही बनना चाहता था। अभी भी विविध भारती के नामी उद्घोषक युनूस खान की उद्घोषण शैली में इसकी झलक देखी जा सकती है। उन दिनों हिंदी उद्घोषणा जगत में तीन आवाजें मानक समझी जाती थीं। समाचार वाचन में आकाशवाणी के देवकी नंदन पांडे, हॉकी कमेंट्री में जसदेव सिंह तथा मनोरंजन के क्षेत्र में अमीन सयानी। इन सभी ने जनसंचार के क्षेत्र में रेडियो माध्यम की महत्ता और चुनौतियों को बखूबी समझा तथा उसे एक नई परिभाषा दी। इन तीनों में भी अमीन सयानी का नाम तो हर घर में पहुंच चुका था। उन्होंने सार्वजनिक संबोधन में भी एक बुनियादी बदलाव किया था। तब तक किसी भी कार्यक्रम में वक्ता आम तौर पर 'भाइयों और बहनों' से बोलने की शुरूआत करते थे। लेकिन इससे लैंगिक विषमता की गंध आती थी। अमीन सयानी ने अपने कार्यक्रम में 'बहनों और भाइयों' कहना शुरू किया, जो बेहद लोकप्रिय हुआ और स्त्री शक्ति की महत्ता को रेखांकित करता था। ये सुखद संयोग ही है कि 20 साल की उम्र में अमीन सयानी ने रेडियो सीलोन से भारतीय फिल्म संगीत, जो उस वक्त अपने सुनहरे दौर में कदम रख रहा था, को घर घर पहुंचाने और उत्कृष्टता की प्रतिस्पर्द्धा में लोकप्रियता को एक मानदंड के रूप में स्थापित करने का सफल प्रयास किया। यही वो दौर था, जब देश की पुरानी पीढ़ी हिंदी फिल्मों के संगीत को बाजारू मानकर उसे खारिज या अनदेखा करने की कोशिश कर रही थी। देश के तत्कालीन सूचना प्रसारण मंत्री बी.वी. केसकर ने तो आकाशवाणी से हिंदी फिल्म संगीत का प्रसारण यह कहकर बंद करवा दिया था कि इससे देश की युवा पीढ़ी बिगड़ रही है। जबकि हकीकत में उसी दौर में हिंदी सिने संगीत के स्वर्णिम काल का द्वार भी खुल रहा था। देश की नई पीढ़ी सुरो की उन्मुक्त दुनिया का आस्वाद ले रही थी। लता मंगेशकर, मोहम्मद रफी, मन्ना डे, गीता दत्त, आशा भोसले, तलत महमूद, मुकेश, किशोर कुमार जैसे महान गायक अपनी कला से सुगम संगीत के नए प्रतिमान रच रहे थे। इन गायकों को महान बनाने का काम असाधारण रूप से प्रतिभाशाली कई संगीतकार कर रहे थे। युवा पीढ़ी इन गायकों की आवाज की दीवानी थी, लेकिन तत्कालीन सरकार की नजर में यह सब बेकार की बातें थीं। हालांकि बाद में इस गलती को आकाशवाणी से विविध भारती कार्यक्रम शुरू करके सुधारा गया।अमीन साहब के सामने ऐसे कार्यक्रम का कोई तयशुदा मॉडल नहीं था।

स्वास्थ्यः कैंसर से जंग के नए हथियार, इम्यूनोथेरेपी ने जगाई नई उम्मीदें

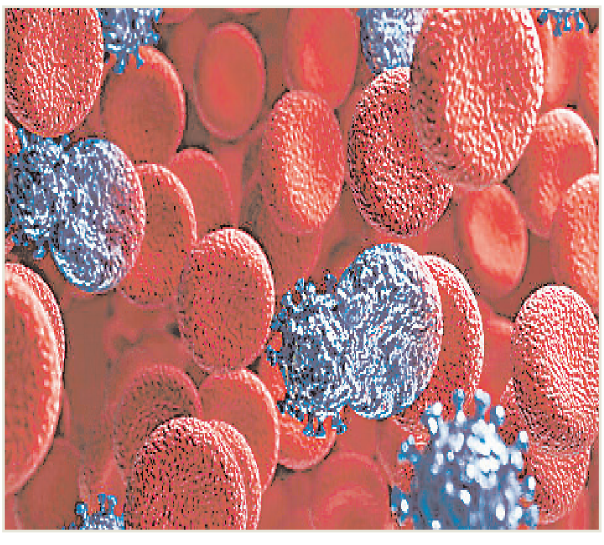

इम्यूनोथेरेपी कैंसर से जंग का नया हथियार बन रही है। इसका उद्देश्य कैंसर कोशिकाओं को पहचानना और उनसे लड़ने की क्षमता विकसित करना है।ब्रिटेन ने कैंसर की वैक्सीन तैयार कर ली है और इम्यूनोथेरेपी कैंसर से जंग का नया हथियार बन रही है। अब इससे जानलेवा कैंसर पर लगाम लगाई जा सकती है। ब्रिटेन में कैंसर वैक्सीन का फ्री ट्रायल शुरू हो चुका है। इसका मुख्य उद्देश्य व्यक्ति के शरीर में कैंसर कोशिकाओं की पहचान करना और उनसे लड़ने की क्षमता विकसित करना है। अभी इसका क्लीनिकल ट्रायल चल रहा है, जिसके तहत एक 81 साल के एक मरीज को इसकी पहली खुराक दी गई है। चिकित्सा विज्ञान में आजकल कई अलग-अलग पद्धतियों से कैंसर का उपचार किया जाता है, जो कई मामलों में कारगर भी साबित हो रही हैं। कुछ इसी तरह से इन दिनों इम्यूनोथेरेपी का इस्तेमाल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज में भी किया जा रहा है। इसमें हमारे शरीर की इम्यूनिटी को कैंसर कोशिकाओं से लड़ने के लिए मजबूत बनाया जाता है। यह उपचार प्रणाली रोगी के इम्यून सिस्टम में सामान्य ट्यूमर मार्कर पेश करने के लिए मैसेंजर आरएनए का उपयोग करती है। इसका लक्ष्य इम्यून सिस्टम को इस प्रकार से विकसित करना है कि वह इन कैंसर कोशिकाओं को पहचान कर उनका मुकाबला कर सके। इसका काम संभावित रूप से उन कोशिकाओं को नष्ट करना है, जो प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को दबा सकती हैं। मॉडर्ना-यूके स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप के सहयोग से आयोजित इंपीरियल कॉलेज का परीक्षण यूके में एमआरएनए वैक्सीन निर्माण करने और भविष्य की स्वास्थ्य आपात स्थितियों के लिए तैयारियों को बढ़ाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। यूके सरकार ने कैंसर के लिए एमआरएनए-आधारित इम्यूनोथेरेपी के विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए कई दवा कंपनियों के साथ सहयोग किया है। ऐसे कई उपचार वर्तमान में क्लीनिकल टेस्टिंग के प्रारंभिक चरण में हैं, जहां उनके एक्शन, प्रोटेक्शन और प्रारंभिक गतिविधि का आकलन किया जा रहा है। कैंसर का इलाज अभी तक रेडिएशन (विकिरण) या कीमोथेरेपी (रसायन चिकित्सा) के भरोसे है, जिसमें कैंसर की कोशिकाओं को मार देते हैं या सर्जरी करते हैं, जिसमें ट्यूमर को पूरा निकाल देते हैं। मगर हीमैटोलॉजिकल या रक्त कैंसर सरीखे कुछ प्रकार के कैंसरों की उन्नत अवस्था में इन इलाजों की सफलता की दर 10 फीसदी से भी कम है। कीमो या रेडिएशन के दुष्प्रभाव-उलटी, दस्त, शरीर दर्द, त्वचा व बालों का झड़ना, रक्तस्राव, अनिद्रा आदि हिम्मत तोड़ने वाला है, क्योंकि दोनों इलाज कैंसर की कोशिकाओं के साथ अंततः शरीर की स्वस्थ-सामान्य कोशिकाओं को भी नुकसान पहुंचाते हैं। मौजूदा इलाज कैंसर की हर एक कोशिका को खत्म कर देने की भी गारंटी नहीं देते। उन्नत अवस्था के कैंसरों में इसके दोबारा होने की संभावना 30 से 40 फीसदी बनी रहती है। यहीं इम्यूनोथेरेपी या प्रतिरक्षा उपचार की अहमियत सामने आती है। बीते कुछ वर्षों में कैंसर रिसर्च ने इस पर ध्यान केंद्रित किया है कि कैंसर की कोशिकाओं को पहचानकर उन्हें नष्ट करने के लिए खुद इंसान के शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को कैसे और किन तरीकों से सक्रिय किया जा सकता है। गुरुग्राम स्थित आर्टेमिस अस्पताल में आन्कोलॉजी के चेयरपर्सन और नई दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में मेडिकल आन्कोलॉजी के पूर्व प्रमुख डॉ. ललित कुमार बताते हैं कि किसी भी बीमारी से निजात पाने का शरीर का अपना तंत्र होता है। कैंसर में यह तंत्र किसी न किसी तरह ठप हो जाता है। बहुत सारे नए उपचारों का वास्ता इस बात से है कि इन कोशिकाओं को छिन्न-भिन्न करने के लिए शरीर को कैसे तैयार किया जाए। इम्यूनोथेरेपी पक्का करती है कि केवल कैंसर ट्यूमर को ही निशाना बनाया जाए और स्वस्थ कोशिकाओं को नहीं, जिससे दुष्प्रभाव कम होते हैं। अगर कैंसर दोबारा होता है, तो इम्यून या प्रतिरक्षा प्रणाली नुकसानदायक कोशिकाओं को पहचान सकती है। इलाज की सारी विधियां शरीर में कैंसर जनित कोशिकाओं को नष्ट करने पर निर्भर हैं। पर अब पता चला है कि कैंसर रोगी की इम्यूनिटी बढ़ाकर भी उसे ठीक किया जा सकता है। इम्यूनोथेरेपी को लेकर लोगों की उम्मीद बढ़ गई है। अब कैंसर मरीजों के इलाज में

राजसी ठाठ-बाट से सजे बाबा महाकाल; मावे से हुआ श्रृंगार, धारण किया रजत का चन्द्र और त्रिपुंड

भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे जिन्होंने बाबा महाकाल के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज माघ शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी पर गुरुवार तड़के चार बजे भस्म आरती हुई। इस दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पण्डे पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया। भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर फलों के रस से बने पंचामृत से कर पूजन-अर्चन किया। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल का राजसी ठाठ बाट से मावे से श्रृंगार किया गया और त्रिनेत्र के साथ रजत का चन्द्र और त्रिपुंड धारण करवाया गया। इस श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्मी रमाई गई। भस्म अर्पित करने के पश्चात भगवान महाकाल को रजत मुकुट रजत की मुण्डमाला और रुद्राक्ष की माला के साथ-साथ ही सुगंधित पुष्पों की माला अर्पित कर फल और मिष्ठान का भोग लगाया गया। भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे जिन्होंने बाबा महाकाल के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

मर्दों की पॉलिथीन बैग से तुलना करने पर ट्विंकल पर बरसीं कंगना

कहा- सोने की थाली में करियर...

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रणौत अपनी अदाकारी के साथ-साथ अपने बेबाकी से दिए गए बयानों को लेकर भी जानी जाती हैं। कंगना अधिकतर नेपोटिम को लेकर सितारों पर निशाना साधती हुई नजर आती हैं। इस बार कंगना रणौत ने अक्षय कुमार की पत्नी और अभिनेत्री ट्विंकल खन्ना को आड़े हाथ लिया है। कंगना ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर ट्विंकल का एक वीडियो साझा कर उनपर निशाना साधा है। वीडियो में अभिनेत्री पुरुषों की तुलना पॉलीथीन बैग से करती हुई दिखाई दे रही हैं, जिसे लेकर कंगना ने उन्हें खरी-खोटी सुनाई है।

कंगना रणौत ने ट्विंकल खन्ना को नेपो किड बताते हुए उनपर निसाना साधा है। अभिनेत्री ने लिखा, ये विशेषाधिकार वाले लोग क्या हैं जो अपने मर्दों को पॉलिथीन बैग कहते हैं, क्या वे कूल बनने की कोशिश कर रहे हैं? चांदी के चम्मच के साथ पैदा हुए नेपो किड्स को सोने की थाली में फिल्मी करियर मिला, लेकिन निश्चित रूप से वे इसके साथ बिलकुल न्याय नहीं कर सके। अभिनेत्री ने आगे लिखा, कम से कम वे मातृत्व की निस्वार्थता में कुछ खुशी और पूर्णता पा सकते। वाकई में वे क्या करते हैं बनना चाहतें हैं? सब्जियां? क्या ये फेमिनिम है? कंगना रणौत का ये बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस मामले में फिलहाल ट्विंकल की कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ट्विंकल खन्ना का ये वीडियो एक पुराने इंटरव्यू का बताया जा रहा है। अक्षय कुमार की पत्नी अभिनेत्री ट्विंकल खन्ना अब फिल्मों की दुनिया में सक्रिय नहीं हैं। वे बतौर लेखक खुद को स्थापित कर चुकी हैं। वह कई किताबे भी लिख चुकी हैं। पिछले साल नवंबर में ट्विंकल ने अपनी नई किताब वेलकम टू पैराडाइज लॉन्च की थी। इसके अलावा ट्विंकल सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं।

वहीं कंगना रणौत के वर्कफ्रंट की बात करें, तो उन्हें आखिरी बार चंद्रमुखी 2 और तेजस में देखा गया था। कंगना की आगामी फिल्म की बात करें, तो वे जल्द ही फिल्म इमरजेंसी में नजर आएंगी, जो एक पॉलिटिकल ड्रामा है। अभिनेत्री इस फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में नजर आएंगी।

सिंगल कॉलम

अमीषा पटेल फिर फंसी कानूनी मुश्किल में, 27 फरवरी को धोखाधड़ी मामले में पेश होने का आदेश

मुंबई-'गदर 2' की सकीना यानी एक्ट्रेस अमीषा पटेल और उनके बिजनेस पार्टनर एक बार फिर एक कानूनी मुश्किल में फंस चुके हैं। दरअसल, पैसे लेकर फिल्म न करने, धोखाधड़ी और चेक बाउंस के आरोपों वाला मामला रांची के सिविल कोर्ट में चल रहा है। जहां से अब एक्ट्रेस को 27 फरवरी को खुद उपस्थित होकर बयान दर्ज कराने का निर्देश दिया गया है। ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट डीएन शुक्ला की कोर्ट में सीआरपीसी की धारा 313 के तहत दोनों आरोपियों का बयान दर्ज किया जाएगा। यह मामला वर्ष 2018 का है। रांची के फिल्म निर्माता अजय कुमार सिंह ने अमीषा पटेल के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। उन्होंने आरोप लगाया है कि म्यूजिक मेकिंग के नाम पर अमीषा पटेल ने उनसे ढाई करोड़ रुपये लिए थे। पैसे लेने के बाद भी उन्होंने म्यूजिक मेकिंग की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया। इसके साथ ही अमीषा पटेल पर फिल्म 'देसी मैजिक' बनाने के नाम पर अजय सिंह से ढाई करोड़ रुपए ऐंठने का भी आरोप लगाया गया है। दोनों के बीच जो कांट्रैक्ट हुआ था, उसके अनुसार जब फिल्म जून 2018 में रिलीज नहीं हुई तो अजय ने अमीषा से पैसे की मांग की। काफी टालमटोल के बाद अक्टूबर 2018 में ढाई करोड़ एवं 50 लाख रुपए के दो चेक दिए, जो बाउंस हो गए। इस मामले में अमीषा पटेल को उपस्थिति के लिए कई बार समन जारी हुआ था, इसके बावजूद वह अदालत में खुद या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित नहीं हो रही थीं। वारंट जारी होने के बाद बीते साल 19 जून को उन्होंने सिविल कोर्ट में सरेंडर किया था। सुनवाई के बाद कोर्ट ने उन्हें 10 हजार के दो बेल बांड पर जमानत दे दी थी।

टाइगर वर्सेस पठान की शुटिंग शुरू, कब रिलीज होगी सलमान और शाहरुख की फिल्म

नई दिल्ली । शाहरुख खान और सलमान खान की अपकमिंग फिल्म' टाइगर वर्सेस पठान' पर बड़ा अपडेट आया है। यूं तो अभी फिल्म के रिलीज होने में काफी समय है। लेकिन, मेकर्स ने 'पठान-2' के साथ-साथ 'टाइगर वर्सेस पठान' की भी तैयारियां शुरू कर दी हैं। मेकर्स का मानना है कि सलमान और शाहरुख की वजह से फैंस की फिल्म से उम्मीदें बहुत ज्यादा है इसलिए वे फिल्म की तैयारियां शुरू कर देना चाहते। चलिए आपको मेकर्स का प्लान बताते हैं। **तीन साल बाद रिलीज होगी फिल्म** शाहरुख खान इस साल के अंत में 'पठान-2' की शूटिंग शुरू करेंगे। 'पठान-2' से ही 'टाइगर वर्सेस पठान' की कहानी निकलेगी। इसलिए पहले 'पठान-2' रिलीज होगी और फिर साल 2026 में 'टाइगर वर्सेस पठान' की शूटिंग शुरू होगी। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स ने 'टाइगर वर्सेस पठान' के लिए 100 दिन का शूट शेड्यूल तय किया है।

'सीरियल किसर' के टैग से छुटकारा पाना चाहते हैं इमरान हाशमी

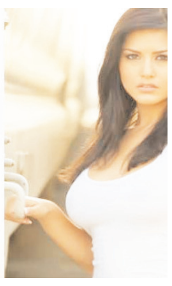

मुंबई भले ही आज इमरान हाशमी अपनी बोल्ड भूमिकाओं और बेहतरीन फिल्मों के चयन के लिए जाने जाते हैं, लेकिन एक समय वह सीरियल किसर के रूप में अधिक लोकप्रिय थे। फिल्म फुटपाथ से शुरुआत करने वाले इमरान ने बाद में मर्डर, आशिक बनाया आपने, अक्षर जैसी फिल्मों से सीरियल किसर के रूप में अपनी छवि चमकाई। लोग यह मानकर इमरान की फिल्में देखने जाने लगे कि इसमें एक और हॉट किसिंग सीन होगा।

धीरे-धीरे उन्होंने अपनी छवि बदलनी शुरू की और अपरंपरागत भूमिकाएं चुनीं। उन्होंने हाल ही में इस पर खुलकर बात की है कि इस सीरियल किसर छवि ने इमरान पर भारी असर डाला है और उनकी पत्नी भी इसे लेकर असुरक्षित महसूस करती हैं। इमरान ने यह भी स्पष्ट किया है कि कुछ निर्माताओं ने दर्शकों के मन में बैठी सीरियल किसर की छवि का फायदा उठाया है।मीडिया को दिए इंटरव्यू में इमरान ने अब किसिंग सीन देना क्यों बंद कर दिया? ऐसा प्रश्न पूछा गया। इस बार जवाब देते हुए इमरान ने कहा, यह मेरी पत्नी की सलाह है और मैं उसकी बात मानता हूं। अब मैं अपनी फिल्मों में किसिंग सीन नहीं डालता। दरअसल, पहले मैं ऐसे दृश्यों पर आपत्ति जताना चाहता था लेकिन अनजाने में मेरी सीरियल किसर वाली छवि बन गई और कुछ निर्माताओं ने इसका फायदा उठाया। दर्शकों को आकर्षित करना जरूरी हो गया। जब मैं अपनी कुछ फिल्में देखता हूं तो मैं मन ही मन सोचता हूं कि कुछ जगहों पर उन किसिंग दृश्यों की बिल्कुल भी जरूरत नहीं थी, लेकिन दर्शक यही चाहते थे। वास्तव में मैंने यह फिल्म के लिए किया था लेकिन अंत में मुझे भी आलोचना का सामना करना पड़ा।

इमरान हाल ही में सलमान खान के साथ टाइगर 3 में विलेन के किरदार में नजर आए थे। अब जल्द ही वह वेब सीरीज शो टाइम में नजर आएंगे। इस सीरीज में बॉलीवुड की चमक-दमक के पीछे की एक डरावनी दुनिया दिखाई जाएगी। करण जौहर और अपूर्व मेहता द्वारा निर्मित यह शो डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगा। इमरान के साथ मौनी रॉय, श्रिया सरन, नसीरुद्दीन शाह जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

पुरस्कार जीतने के बाद एटली ने लिखा दिल छू लेने वाला नोट, खास अंदाज में की किंग खान की तारीफ

एटली को हाल ही में दादासाहेब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवार्ड्स 2024 में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (क्रिटिक्स) के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इसे जीतने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर आभार व्यक्त किया है।

एटली ने जताया आभार

एक्स पर साझा की गई पोस्ट में एटली ने शाहरुख खान को धन्यवाद देते हुए उनकी जमकर तारीफ की। निर्देशक ने लिखा, दादा साहब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड्स के लिए धन्यवाद। शाहरुख सर, मैं आपका बहुत आभारी हूं। आप प्रेरणा के निरंतर स्रोत हैं। आपने मुझे हमेशा अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया है। साथ ही, इस पोस्ट में उन्होंने फिल्म की पूरी टीम को भी धन्यवाद दिया है।

शाहरुख-नयनतारा ने जीता अवॉर्ड

डीपीआईएफएफ 2024 में नयनतारा को मोस्ट वर्सटाइल एक्ट्रेस और शाहरुख खान को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। दोनों को जवान के लिए यह सम्मान दिया गया। वहीं, संदीप रेड्डी वांगा को एनिमल के लिए बेस्ट डायरेक्टर का चुना गया।

जवान ने की थी धांसू कमाई

फिल्म जवान में शाहरुख खान ने डबल रोल निभाया था। रिलीज के बाद इस फिल्म ने कमाई के कई रिकॉर्ड तोड़ डाले थे। यह शाहरुख खान की अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। वहीं, जवान की 2023 की सबसे ज्यादा कलेक्शन करने वाली भारतीय फिल्म भी थी। इसने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 1,140 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की थी।

सोनम कपूर ने अपनी मां को दिया पिता अनिल कपूर के यंग लुक का श्रेय, कही ये बात

हाल के दिनों में अभिनेता अनिल कपूर अपने फाइटर और एनिमल जैसी चर्चित फिल्मों में नजर आए। फिल्म में अनिल के किरदार ने खूब सुर्खियां बटोरी। अपने अभिनय के अलावा 67 वर्षीय अभिनेता अपने फिटनेस और लुक्स को लेकर भी खूब चर्चा में रहते हैं। अनिल के लुक्स को देखकर उनकी उम्र का सही अंदाजा लगा पाना लोगों के लिए काफी मुश्किल होता है। हाल ही में अभिनेत्री सोनम कपूर में अपने पिता के हैंडसम लुक्स और फिटनेस का राज खोला। सोनम हाल ही में एक बुक लॉन्च में शामिल हुईं, जहां उन्होंने अपने पिता अनिल कपूर की लाइफस्टाइल और उनके यंग लुक के बारे में बात की। उन्होंने बताया की उनके पिता अनिल कपूर शराब या धूम्रपान नहीं करते। इस दौरान उन्होंने अपने चाचा बोनी कपूर और संजय कपूर के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, बोनी चाचा को खाना पसंद है। वे कभी-कभार शराब पीना भी पसंद करते हैं और संजय चाचा मध्यम स्वभाव के हैं, लेकिन ये सभी स्वस्थ इंसान हैं इस दौरान सोनम ने अपने दादा सुरिंदर कपूर का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उनके सफेद बालों के अलावा अपने निधन तक हमारे दादा जी वैसे ही दिखते थे। सोनम ने अपने पिता अनिल कपूर के यंग लुक का श्रेय अपनी मां को दिया। उन्होंने कहा, मुझे याद है मेरी मां ने मुंबई में पहला निजी ट्रेनिंग जिम शुरू किया था। यह बहुत साल पहले शुरू हुआ था। ये मेरी मां ही हैं जो शुरू से ही बहुत स्वस्थ रही हैं। स्वास्थ्य के प्रति बेहद जागरूक रही। पापा कभी-कभी इन सब चीजों को इग्नोर करते हैं, लेकिन मम्मी एक अछी पत्नी की तरह उन्हें नियंत्रित करती थीं। गौरतलब है कि सोनम कपूर बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक रही हैं। साल 2007 में उन्होंने अपने करियर में कई सफल फिल्मों और इंडस्ट्री के बड़े सितारों के साथ काम किया। सोनम आखिरी बार साल 2023 में आई थ्रिलर ब्लाइंड में नजर आईं थीं, जिसमें उन्होंने एक अंधी लड़की का किरदार निभाया था। सोनम कपूर अपने पिता अनिल कपूर के बेहद करीब है।

अभिनेत्री विद्या बालन ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

मुंबई ! प्रशंसकों के साथ जुड़े रहने के लिए कलाकार सोशल मीडिया पर बहुत सक्रिय हैं। वे फोटो और वीडियो शेयर कर फैंस का मनोरंजन करते हैं। लेकिन दूसरी तरफ कलाकारों के फर्जी अकाउंट बनाकर उन्हें धमकाने और पैसे वसूलने का काम किया जाता है। इसलिए कलाकार संकट में हैं। ऐसा ही कुछ हुआ है बॉलीवुड एक्ट्रेस विद्या बालन के साथ। हालांकि अब यह बात सामने आई है कि एक्ट्रेस ने इसके खिलाफ मुंबई पुलिस का दरवाजा खटखटाया है।

अभिनेत्री विद्या बालन ने उनके नाम पर फर्जी अकाउंट बनाकर धोखाधड़ी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। रिपोर्ट के मुताबिक विद्या बालन ने खार पुलिस स्टेशन में एक अज्ञात शख्स के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में कहा गया है कि एक शख्स ने एक्ट्रेस के नाम से इंस्टाग्राम पर फर्जी अकाउंट बनाया था। इसके जरिए ये शख्स लोगों से पैसे की मांग करता था। इसके अलावा यह व्यक्ति नौकरी दिलाने का वादा कर रहा था। विद्या बालन की शिकायत के बाद मुंबई पुलिस ने आईपीसी की धारा 66 के तहत मामला दर्ज कर लिया है

फिलहाल विद्या बालन बॉलीवुड में ज्यादा नजर नहीं आती हैं लेकिन वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 9 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। विद्या अपने फैंस का मनोरंजन करने के लिए हमेशा इंस्टाग्राम पर मजेदार वीडियो शेयर करती रहती हैं। एक्ट्रेस के काम की बात करें तो वह जल्द ही बड़े पर्दे पर वापसी करेंगी। उन्हें मंजुलिका के रूप में देखा जाएगा। कुछ दिनों पहले कार्तिक आर्यन ने घोषणा की थी कि भूल भुलैया 3 में मंजुलिका का किरदार विद्या बालन निभाएंगी।

साउथ की मेगा बजट फिल्मों में जलवा बिखेरेंगी ये बॉलीवुड हसीनाएं, इन सितारों के साथ आएंगी नजर

बॉलीवुड की कई टॉप एक्ट्रेस साउथ की मेगा बजट फिल्मों में नजर आने वाली हैं। इनमें कुछ फिल्में इसी साल बड़े पर्दे पर भी नजर आएंगी तो वहीं कुछ आने वाले वर्षों में रिलीज होंगी। बॉलीवुड अभिनेत्रियां इन फिल्मों में साउथ के सुपरस्टार्स अभिनेताओं के साथ मुख्य भूमिकाएं निभाएंगी। चलिए आपको बताते हैं कि इंडस्ट्री कौन-कौन सी अदाकारा साउथ की फिल्मों में नजर आने वाली हैं इस लिस्ट में पहला नाम जाह्नवी कपूर का है, जो देवरा में जूनियर एनटीआर के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म के साथ जान्हवी अपना साउथ डेब्यू भी कर रही हैं। यह फिल्म 10 अक्टूबर को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। फिल्म में सैफ अली खान मुख्य विलेन के किरदार में हैं। चर्चा है कि जाह्नवी जूनियर एनटीआर के अलावा राम चरण और सूर्या के साथ भी काम करने वाली हैं।

सलार से बॉक्स ऑफिस पर तूफान मचाने वाले प्रभास के साथ बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण स्क्रीन साझा करने वाली हैं। वे कल्कि 2898 एडी में प्रभास के साथ बड़े पर्दे पर नजर आएंगी। नाग अश्विन के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को लेकर दर्शकों में जबर्दस्त उत्साह है। दीपिका पादुकोण के अलावा इस फिल्म में अमिताभ बचन और कमल हासन भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

बॉलीवुड की हॉट सेंसेशन दिशा पटानी तमिल डेब्यू करने जा रही हैं। वे सुपरस्टार सूर्या के साथ कंगुवा- ए माइटी वैलिएंट सागा में मुख्य भूमिका निभाएंगी। फिल्म में बॉबी देओल अहम भूमिका में हैं। फिल्म में सूर्या, बॉबी देओल और दिशा पाटनी के अलावा जगपति बाबू और कई अन्य कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

इसके अलावा बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी साउथ में अपना जलवा बिखेरने को तैयार हैं। वे साउथ सुपरस्टार राम चरण के फिल्म गेम चेंजर में नजर आएंगी। इस पैन इंडिया फिल्म का निर्देशन शंकर कर रहे हैं। फिल्म में राम चरण और दिशा के अलावा एसजे सूर्या, जयराम, सुनील, नवीन चंद्र और मीका श्रीकांत भी नजर आने वाले हैं। वहीं, अभिनेत्री उर्वशी रौतेला भी साउथ सिनेमा अपने एक्टिंग जलवा दिखाने वाली हैं। ऋषभ शेट्टी स्टारर सुपरहिट फिल्म कंतारा के सीक्वल कंतारा 2 उर्वशी मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं।

बड़वानी में अर्न्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन

अशोक राठौड़। सिटी चीफ

बड़वानी, शासकीय कन्या महाविद्यालय, बड़वानी में अर्न्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में मातृभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए जागरूक करना एवं हिन्दी के हर क्षेत्र में विकास करना इसी उद्देश्य को लेकर महाविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर माँ सरस्वती को माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित किया एवं छात्राओं के द्वारा माँ सरस्वती की आराधना की गई।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. कविता भदौरिया ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हिन्दी हमारी मातृ भाषा है और हिन्दी तो जन-जन के द्वारा बोली जाने वाली भाषा है। यह हमारी संस्कृति का परिचायक है, यह भाषा हमें एकता और अखण्डता के सूत्र में बांधती है। यह भाषा मनुष्य को आंतरिक सौन्दर्य का बोध कराती है। वात्सल्य, करूणा, ममता, दया इन विभिन्न रूपों को अभिव्यक्त करने की भाषा है। आज विदेशों में भी हिन्दी भाषा को बढावा देने हेतु विभिन्न संस्थाएँ चल रही है, जिनमें बच्चों के एडमिशन के लिए हिन्दी भाषा ज्ञान के साथ संस्कारों का बीजारोपण किया जा रहा है ताकि उन संस्थाओं में बच्चों को आसानी से प्रवेश मिल सके। विदेश से आये फादर कामिल बुल्के जब भारत आये तो वह भारत की बृज भाषा वहाँ की मिट्टी से इतने ओत-प्रोत हुए कि वह अपने जन्म को इस माटी में ही मिलाने में सार्थक मानने लगे। अंत में उन्होंने अपने भाषण में कहा कि हमारे प्रसिद्ध धार्मिक ग्रंथो की भाषा हिन्दी ही है, जिनका आज विदेशो में उनकी भाषा में अनुवाद कर उन्हें पढ़ा और पढ़ाया जा रहा है। विश्व के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी भाषा को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. स्नेहलता मुझाल्दा जी ने मातृभाषा की महत्ता और अपनी भाषा में लिखने व बोलने में शुद्धता के प्रयोग पर जोर दिया। मातृभाषा अपनेपन का अहसास कराती है और घर परिवार में मातृभाषा का प्रयोग कर बच्चों को कहानियाँ सुनाना चाहिये इससे बच्चों में मातृभाषा को और अधिक जानने समझने की जिज्ञासा जागृत होती है। स्कूल कॉलेज में जो विद्यार्थी हिन्दी और मातृभाषा को अच्छे से समझते और लिखते है उन्हें सम्मानित कर मातृभाषा के प्रति जागरूक करना चाहिये जिससे हमारी सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण किया जा सकता है। आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. जगदीश मुजाल्दे ने अपने उद्बोधन में कहा कि आधूनिकता की दौड़ में अधिकांश बच्चे अपनी मातृभाषा सीखने से वंचित हो रहे है। जब बच्चों को अक्षर ज्ञान देने की बात आती है तो आधुनिक माता पिता उन्हें अंग्रेजी ही सीखाते है जिससे बच्चा मातृभाषा से दूर होता जाता है। भाषा को सदा जीवित रखने का प्रण ले और इसे सीखे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए हिन्दी विभाग की डॉ. पद्मा आर्य ने मातृभाषा की महत्ता एवं उसके उद्देश्य पर अपनी बात रखते हुए मातृभाषा निश्चित रूप से जीवन के सबसे अनमोल खजाने में से एक है इसीलिये मातृभाषा जीवन का आधार है, सब इसका सम्मान करें तथा विश्व पटल पर इसकी पहचान बनाएँ एवं हिन्दी में होने वाली वर्तनीगत शब्दार्थगत वाक्यगत शुद्धियों से छात्राओं को अवगत कराया गया एवं त्रुटि संशोधन पर अपनी बात रखी। कार्यक्रम समापन के अवसर पर आभार डॉ. रविन्द्र ने किया। कार्यक्रम समापन के अवसर पर आभार व्यक्त करते हुये डॉ. रविन्द्र बरडे ने अपने उद्बोधन में कहा कि बच्चों के विकास में मातृभाषा महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। जो बच्चे दो या दो से अधिक भाषाओं को जानते है वे अपनी भावनाओं को बेहतर व्यक्त करने के साथ ही अन्य भाषा को आसानी से सीख लेते है। बच्चा भातृभाषा की ताकत से स्वयं को अभिव्यक्त करता है। मातृभाषा के साथ हिन्दी को भी अधिक महत्व दिया। इस अवसर पर छात्राओं ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। इस अवसर पर समस्त महाविद्यालयीन स्टॉफ, एवं छात्राएँ उपस्थित रही।

रेत खनन कंपनियों का खलल, चैन माऊंटिग पोकलेन मशीन की चिंघाड़

रास्ता भटके हाथियों में नर हाथी की मौत के बाद उत्पात में दादा की मौत पोता घायल...

मोहम्मद मुनीर 7 सिटी चीफ

शहडोल, कई दशकों से लगातार हाथियों का दल बसंत ऋतु के आसपास मध्यप्रदेश की सीमा अनूपपुर जिले से इंटर होकर सोननदी की हरियाली के बीच वर्षों से ग्रीष्म ऋतु काटने आता है लेकिन देखा यह जा रहा है कि लगातार कुछ तीन चार वर्षों से हाथियों का झुंड भटकते हुए ग्रामीणों के रहवासी इलाके तक पहुंच जाता है और ग्रामीणों की दहशत का सबब फटाखे आवाज़ और खेतों को नुक्सान से बचाने के लिए किसानों का करंट लगने से हाथी की मौत और इसके बाद हाथियों का बढ़ता उत्पात का दायरा शांत स्वभाव के हाथियों को खूंखार और खतरनाक बना दें रहा है। वहीं रेत ठेका कंपनी सहकार ग्लोबल कंपनी एवं बाबा महाकाल मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड ने मानो वन पशु-पक्षी, वन्य प्राणी का जीना हराम कर रखा है इन्होंने सरकार से तय लीज क्षेत्र के रेत खनन की मंजूरी की आड़ में नदियों के बीच धार और आर पार सड़क बनाकर रेत निकाली जा रही है परिणाम स्वरूप नदियों का भौतिक स्वरूप तो बदल ही रहा है साथ साथ हाथियों के दल का नमी वाले स्थान पर अवैध रूप से ठेका कंपनी का खनन इनके विचरण पर खलल डाल रहा है इस ओर वनविभाग का जाने कैसे ध्यान नहीं जा रहा समझ से परे है जनचर्चाओ की मानें गांधी के फेरे में वनविभाग चाहे अनचाहे ग्रामीणों की जान जोखिम में डालकर रखा है। वन्य जीव संरक्षण एवं वन पशु-पक्षी प्रेमी ने संबोधित विभाग को चेतावनी दी है कि मामले में रेत खनन? कंपनी का दायरा फिक्स किया जाएं वरना सड़क से संसद तक इस तरह दिन प्रतिदिन हो रही मौत के मामले में जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की जाएगी।

वनविभाग की लापरवाही....

वन विभाग की लापरवाही के चलते दादा की जान और पोता हुआ घायल घटनाक्रम बुधवार की है लगातार एक महीने से छत्तीसगढ़ के रास्ते अनूपपुर शहडोल होता हुआ हाथी उत्पात मचा रखा है जिसमें दो दांत वाला हाथी जैतहरी वन परिक्षेत्र और आसपास के इलाकों में खतरनाक दो दांत वाला हाथी के होने की जानकारी के बावजूद भी वन विभाग के

मूकदर्शक बने रहने से लगातार ग्रामीणों की जान जोखिम में डालने जैसा है।

इसी तरह जिले के मानपुर नगर के खुटार इलाके में न्यायालय के नजदीक सुबह सुबह जंगली हाथी पहुंच गया। सुबह खेत पर काम कर रहे किसानों की नजर जैसे ही जंगली हाथी पर पड़ी, किसानों में भगदड़ मच गई। उसी दौरान मानपुर नगर के

सम्मानित बुजुर्ग किसान अरुणव दयानंद पयासी अपने 20 वर्षीय पोते नयन पयासी के साथ खेत मे टहल रहे थे तभी जंगली हाथी उन पर हमला बोलते हुए अपने पैरों से कुचल दिया जिसमें 65

वर्षीय दादा की मौत हो गई और पोता नयन पयासी किसी तरह हल्ला मचाते हुए भाग कर अपनी जान बचाया हालांकि पोते को भी चोट आई है जिसका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर में इलाज किया जा रहा है।

हमेशा की तरह फिल्मी अंदाज में घटना की सूचना मिलते ही भारी संख्या में दल बल के साथ

मानपुर रेजर मौक पर पहुंच कर जंगली हांथी को भगाने के प्रयास में जुटे हैं वहीं जंगली हाथी को देखने मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ भी जमा हो गई थी।

क्या कहते हैं जिम्मेदार.....

मानपुर रेंजर मुकेश अहिरवार ने बताया कि खुटार निवासी मृतक 65 वर्षीय अरुणव दयानंद पयासी अपने खेत मे टहल रहे थे तभी जंगली हाथी पहुंच कर उन पर हमला कर दिया जिससे उनकी

मौत हो गई। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच कर हाथी को भगाने का प्रयास कर रही है। वहीं रेंजर ने बताया कि अभी पोस्टमार्टम होने के बाद तात्कालिक सहायता राशि के रूप में 1 हजार रुपये दिए जाएंगे और शीघ्र ही 8 लाख रुपये की राशि भी दी जाएगी। सारी घटना बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के मानपुर बफर से सटे राजस्व एरिया की है।

एक हाथी की मौत पर नाराज़.....

मिली जानकारी के मुताबिक छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र के हाथी विशेषज्ञों का मानना है कि यह बड़े आकर के हाथी जिसे छत्तीसगढ़ वनविभाग द्वारा त्रिदेव हाथी का नामकरण किया है जो विगत दो वर्षों से छत्तीसगढ़ में स्थित अपने बड़े समूह से कुछ साथियों को लेकर छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश में निरंतर विचरण कर रहा है का एक छोटा साथी के विगत दिनों करंट से मौत हो जाने के कारण ससंकित तथा दुखी है यही कारण है की घटना के बाद से वर्तमान समय तक इसके दोनों आंखों से आंसू निरंतर बह रहे हैं वही यह अपने मृत हाथी साथी के याद में बीच-बीच में अचानक तेज-तेज आवाज कर याद करता है तथा बीच-बीच में आक्रोशित होकर दौड़ने का प्रयास कर रहा है छत्तीसगढ़ के हाथी विशेषज्ञ मंसूर खान एवं पश्चिम बंगाल के हाथी विशेषज्ञ सेन गुप्ता ने अनूपपुर जिले के वन अधिकारियों एवं हाथी विचरण क्षेत्र के ग्रामीणों से अकेले विचरण कर रहे इस बड़े हाथी के नजदीक नहीं जाने, किसी भी तरह की छेड़खानी नहीं करने तथा सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है एवं सभी को चेताया हैं कि मनुष्य की तरह हाथी भी मानव स्वभाव का होता है जो अपने किसी भी साथी की किसी भी तरह की मृत्यु पर दुख प्रकट करते हुए बदला लेना के लिये आक्रोशित होकर किसी भी समय आक्रमक हो सकता है जिससे कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना घटने की संभावना बनी रहेगी।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई

सुरेश मुलेवा। सिटी चीफ झाबुआ, मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की अध्यक्षता में 21 फरवरी 2024 को सायं 07.00 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 29 फरवरी 2024 के कार्यक्रम के संबंध में तैयारी बैठक आयोजित की गई। 29 फ़रवरी 2024 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति (वीसी के माध्यम से) में प्रदेश व्यापी लोकार्पण एवं भूमिपूजन का कार्यक्रम प्रस्तावित है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव भोपाल से सम्मिलित होंगे। प्रदेश के समस्त ज़िलों में ज़िला/ ब्लॉक / नगरीय निकाय स्तरीय कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित किये जाएँगे। बैठक में समस्त सांसद, विधायक, कमिश्नर, पुलिस कमिश्नर, कलेक्टर,आईजी एवं एसपी वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सम्मिलित हुए। इस दौरान झाबुआ से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा, नवागत पुलिस अधीक्षक श्री पद्म विलोचन शुक्ला, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री दिनेश वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रेमलाल कुर्वे, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री हरिशंकर विश्वकर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती रीतिका पाटीदार, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती निशा मेहरा एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बड़वानी कलेक्टर के निर्देश में दूध डेयरीयो के पनीर, दुध के नमुने भेजे गए भोपाल

रवि शिमले। सिटी चीफ

भड़वानी, अंजड़ में कलेक्टर महोदय के निर्देश अनुसार खाध सुरक्षा अधिकारी प्रेमलता भवर एंव कीर्ति रावत द्वारा आटा तेल पनीर दुध के 4 लिगल नमुने लिए व सर्वेलेंस के 20 नमुने ले कर जाँच हेतु भोपाल प्रयोगशाला भेजे गए एवं प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्यवाही कि जाएगी अंजड़ सभी दूध डेयरीयो में सैंपल लिए गए हैं दूध के जिससे भोपाल प्रयोगशाला भेजा जाएगा उचित कार्रवाई भी की जा सकती है.

कारावास- दुष्कर्म मामले में इस आरोपी को 20 वर्ष सलाखों के पीछे काटना होगा दिन

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ

शहडोल, घटनाक्रम फरियादी की शिकायत के अनुसार बीते वर्ष 09 नवंबर 2022 की है जब सुबह करीब 11 बजे नाबालिग धान काटने के लिए खेत जा रही थी तभी अपनी बेटी को प्रेक्टिकल की फीस जमा करने के लिए पैसे देकर खेत चली गई। शाम करीब 6 बजे खेत से घर आई तो मेरी बेटी घर पर नहीं थी। पति से पूछने पर उन्होनें बताया कि स्कूल गई थी स्कूल से अभी तक नहीं आई है। आसपास रिश्तेदारी में पूछताछ किए लेकिन मेरी लडकी का कोई पता नहीं चला। प्रथम सूचना लेख कर पीडिता की तलाश की गई, अंतत: दिनांक 13 नवंबर 2022 को दस्तयाबी हो सकी जिसके बाद वारदात में पीडिता ने बताया कि आरोपी सुरेश अगरिया उसे अपने साथ ले गया था और जंगल में उसके साथ दुष्कर्म किया था। पीडिता की मां फरियादिया थाने में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। एवं प्रकरण में विवेचना कार्यवाही पूर्ण की कर अभियोग पत्र माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया । साक्ष्य पूर्ण होन के उपरांत अभियोजन की ओर से माननीय न्यायालय समक्ष अंतिम तर्क प्रस्तुत किए गए। प्रकरण की गंभीरता एवं अभियोजन के तर्क से सहमत होकर माननीय न्यायालय ने आरोपी को वर्धित दण्ड से दण्डित किया। गौरतलब हो कि मामले में माननीय न्यायालय श्रीमान संदीप कुमार सोनी द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश महोदय, जिला शहडोल ने थाना जैतपुर के अपराध क्रमांक 525/22, विशेष सत्र प्रकरण

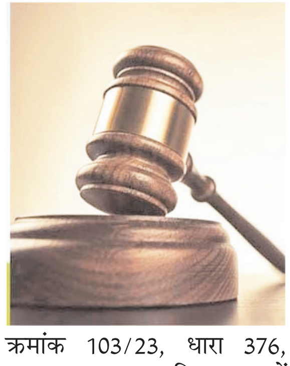

क्रमांक 103/23, धारा 376, 363, 366ए, भादवि 3/4 ,में आरोपी सुरेश अगरिया पिता स्व. ओमप्रकाश अगरिया उम्र 32 वर्ष निवासी वार्ड नं. 11 बसंतपुर दफाई, चचाई, अनूपपुर म.प्र. को भादवि धारा 363 भादवि में 07 वर्ष का कठोर कारावास एवं 1000 रूपये के अर्थदण्ड एवं 366 भादवि में 10 वर्ष का कठोर कारावास एवं 1000 रूपये के अर्थदण्ड धारा 3 सहपठित धारा 4(2) पाक्सो एक्ट में 20 वर्ष का कठोर कारावास एवं 1000 रूपये के अर्थदण्ड, से दण्डित किया। प्रकरण में अभियोजन की ओर से श्रीमति सुषमा सिंह ठाकुर सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी जिला शहडोल द्वारा पैरवी की गई एवं मुकेश कुमार एडीपीओ शहडोल द्वारा प्रकरण में सहयोग प्रदान किया गया। उक्त न्यायालीन कार्यवाही का विवरण संभागीय जनसम्पर्क अधिकारी नवीन कुमार वर्मा ने दी एवं प्रकरण की सम्पूर्ण विवेचना कार्यवाही उप निरीक्षक अर्चना धुर्वे द्वारा की गई। अभियोजन के विशेष अनुरोध पर माननीय न्यायालय ने राज्य प्रतिकर योजना के तहत पीडिता को प्रतिकर दिए जाने हेतु आदेशित किया।

अयोध्या धाम यात्राः आस्था स्पेशल ट्रेन का वैदिक मंत्रों उच्चार, पुष्प वर्षा कर हुआ भव्य स्वागत

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ

शहडोल, बुधवार शाम शहडोल रेलवे स्टेशन पर अयोध्या की सीधी रूट पर चलने वाली ट्रेन का जिले के हर आम और खास ने भव्य स्वागत किया और अयोध्या धाम राम लला के दर्शन को जानें वाले यात्रियों पर पुष्प वर्षा भी की गई, दरअसल जब एक ओर महीनों महीने ट्रेन के रद्द होने की बुरी खबर से जिले का हर हर वर्ग प्रभावित हैं और लोगों में भारी आक्रोश भी ऐसे में अयोध्या धाम की ट्रेन का पूरे वैदिक मंत्रों के उच्चारण और अयोध्या धाम राम लला के दर्शन को जानें वाले यात्रियों का पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया यह भारतीय रेल, भारत सरकार और सत्ता में आसीन राजनीतिक दलों के लिए किसी संजीवनी बूटी से कम नहीं है। हम आपको बता दें कि उक्त स्पेशल ट्रेन में शहडोल से अयोध्या जाने एवं अयोध्या से शहडोल आने के लिए शहडोल जिले के तीर्थ यात्रियों के लिए 264 सीट पूर्व में आरक्षित करवाई जा चुकी थी। जिसमें बुधवार आस्था

स्पेशल ट्रेन अनूपपुर से अयोध्या धाम के लिए जाएगी बीते 21 फरवरी शाम अनूपपुर से 5:40 पर छूटी और निर्धारित समय शाम 6:20 बजे शहडोल रेलवे स्टेशन पहुंची जो अगले दिन यानी 22 फरवरी को निर्धारित समय सुबह 10:35 पर अयोध्या धाम पहुंचेगी, इसी प्रकार यह ट्रेन 23 फरवरी को अयोध्या धाम से वापस लौटेगी शाम 7:35 पर अयोध्या से छूटेगी 24 फरवरी को शहडोल सुबह 9:45 पर पहुंचेगी। मिली जानकारी के मुताबिक यह ट्रेन बाकी ट्रेन की तरह अड़ानी अंबानी की कोयला लदी गाड़ी से संभवत: प्रभावित नहीं होगी। इसमें जाने वाले लोगों में सीनियर सिटीजन की अच्छी खासी संख्या देखी गई है। गौरतलब हो कि राम मंदिर दर्शन यात्रा और आस्था स्पेशल ट्रेन के संबध में सोशल प्लेटफॉर्म पर मीडिया को संयोजक संतोष लोहानी एवं सह संयोजक शीतल पोद्दार से मिली मुताबिक इस यात्रा के लिए लगातार सभी यात्रियों से वन टू वन चर्चा कर सभी राम लला के दर्शनाभिलाषियो को सही मार्गदर्शन करते हुए निर्धारित समय से 3 घंटे पूर्व स्टेशन पहुंचाया जाएं इसकी तैयारी की गई और इसमें सबसे बड़ा काम यात्रियों का पूर्व में आरक्षण हो चुका तो उन सभी को अपना नाम, सीट नंबर, कोच नंबर और आधार कार्ड दिखाने पर परिचय पत्र/ टिकट प्रदान किया जाना था। संयोजक द्वय के मुताबिक इतिहासिक दिन के लिए केवल भाजपा कार्यकर्ता ही उत्साहित नहीं थे अपितु हर वर्ग विशेष के नागरिकों में गजब का उत्साह देखने को मिला।

अतिक्रमण के चपेट में आया अमानगंज नेशनल हाईवे

इसकी शुध लेने वाला कोई नहीं अधिकारी बना मूर्ख दर्शक

राम नरेश विश्वकर्मा सिटी चीफ

पन्ना, पन्ना जिले के अमानगंज नगर परिषद में इस समय अतिक्रमण की चपेट में देखा जा रहा है लोगों को जहां पर भी खाली जगह पड़ी मिली वहां अपना निवास बखूबी बना लेते हैं अमानगंज एक भारी जनसंख्या और आसपास से बहुमूल्य क्षेत्र भी ऐसे हैं जो अमानगंज से ही लगे हुए हैं लेकिन अगर अमानगंज मैं भरी अतिक्रमण होने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है अमानगंज से लगे हुए बहुमूल्य क्षेत्र ग्राम जो अमानगंज मैं ही अपना मार्केट करते हैं लेकिन अमानगंज में तो ऐसी भार भारे शाही चाल चली है जो प्रशासन भी उसके आगे झुका हुआ है भाजपा सरकार ने भले ही अतिक्रमण कार्यों पर बुलडोजर चलाने की बात कही हो परंतु अमानगंज में तो प्रशासन की नाक के नीचे ही लोगों ने अपना कब्जा बनाए रखे हैं एक ऐसा ही मामला नगर परिषद में देखने को मिल रहा है जहां पर नेशनल हाईवे विद्युत विभाग के सामने अपनी दबंगई से बखूबी अतिक्रमण कर बैठे हैं इनको ना प्रशासन का डर है और ना ही किसी अधिकारी का ऐसा नहीं है कि इन पर किसी की नजर नहीं पड़ती है यहां से लगभग तहसील भी ज्यादा दूर नहीं है परंतु स्वराज विभाग के अधिकारी भी अपना पल्ला झाड़ने हुए नजर आ रहे हैं जब इसकी जानकारी विद्युत विभाग के कर्मचारियों से ली गई तो विद्युत विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यह जानकारी हम लोगों ने लिखित में नगर परिषद को दी है परंतु आज तक कार्रवाई नहीं हुई है।

इसमें तो यह लग रहा है कि अतिक्रमण कार्यों के हौसले बुलंद है या फिर अधिकारियों के इसकी परवाह नहीं है कि हमारे पास आवेदन आया या नहीं जब इसकी जानकारी नगर परिषद सीएमओ से ली गई तो उन्होंने गोल-गोल जवाब देते हुए बताया कि हां विद्युत विभाग में आवेदन तो दिया है परंतु अभी कार्यवाही नहीं हुई है जब हमारे संवाददाता ने इसकी जानकारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सीएमओ से मांगी गई तो उन्होंने बताया कि कार्यवाही की जाएगी।

परंतु सवाल यह है की कारवाई कब होगी-सवाल तो यह है कि कार्रवाई होगी या फिर अतिक्रमण कार्यों के हौसले बुलंद रहेंगे क्या अधिकारी अतिक्रमणकारियों के आगे नान मस्तक है या फिर अतिक्रमणकारियों को अधिकारियों का डर है यह तो अतिक्रमण हटाने पर ही जनता समझ जाएगी की इसमें कोई दूर कर नहीं है अमानगंज नगर के लोगों ने समाचार पत्रों के मध्य से माननीय कलेक्टर महोदय से अपील की है कि नगर अमानगंज में अतिक्रमणकारियों पर कार्यवाही कब होगी।

मानव एकेडमी ऑफ़ मार्शल आर्ट मैहर के खिलाड़ियों ने सांसद खेल ट्रॉफी में जीते मेडल

श्रीनिवास मिश्रा। सिटी चीफ

मैहर, माननीय सांसद गणेश सिंह जी द्वारा सांसद ट्रॉफी में कराटे प्रतियोगिता का आयोजन पीजी कॉलेज सतना में 27 व 28 जनवरी को किया गया, जिसमें से 250+ खिलाड़ियों ने अपनी अपनी उम्र व वजन की काता और कुमिते वर्ग की स्पर्धा में मेडल जीते जिसमें मानव एकेडमी ऑफ मार्शल आर्ट मैहर के 13 खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें से आकृति अहिरवार गोल्ड मेडल ,सिमरन त्रिपाठी सिल्वर मेडल ,अंशिका सिंह सिल्वर मेडल ,आशी सिंह ब्रांच मेडल ,अंजली पांडे ब्रांच मेडल ,अभिमन्यु सिंह ब्रांच मेडल ,और टीम काता में आकृति ,अंजली,अंशिका,ने ब्रांच मेडल प्राप्त किया तथा अमन सिंह,आयुष सोनी,शिवांग कुशवाहा,आयुष जैन, स्वस्तिक श्रीवास्तव ,कृष सिंह,स्वस्तिका दुबे,ने अपने-अपने उम्र व वजन में शानदार प्रदर्शन किया मानव एकेडमी ऑफ़ मार्शल आर्ट मैहर की कोच सेंपाई संदीप पटेल, सेंपाई सचिन केवट ,सेंपाई विक्रम सिंह ,उपस्थित रहें!

सांसद खेल ट्रॉफी का समापन में मुख्य अतिथि भारतीय क्रिकेटर श्री शिखर धवन पार्थिव पटेल ऋक्क सिंह की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ मानव एकेडमी ऑफ़ मार्शल आर्ट मैहर के अध्यक्ष श्री अरुण तिवारी जी उपाध्यक्ष संदीप पांडे जी मध्य प्रदेश के इंचार्ज सेंसाई छत्रपाल नामदेव, वा ममता नामदेव, सेंपई रामकेश केवट मनोज खंडेलकर, मनोज सिंह पटेल, राज ललन तिवारी, कौशल अहिरवार, संजय श्रीवास्तव, नीरज पटेल, सरस्वती पटेल एवं समस्त करते परिवार ने स्वर्णिम सफलता की बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी !

मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत टीम द्वारा सारंगी पेटलावद क्षेत्र में कार्यवाही

सुरेश मुलेवा। सिटी चीफ

झाबुआ, मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा की अध्यक्षता में बैठक से प्राप्त निर्देशानुसार एवं कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा के निर्देशन में झाबुआ में नापतोल विभाग, खाद्य सुरक्षा विभाग एवं खाद्य नागरिक एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों का संयुक्त दल गठित किया गया है। टीम द्वारा सारंगी में उपस्थित होकर गौरव किराना स्टोर, देवनारायण दूध भंडार इत्यादि पर खाद्य पदार्थ की मौके पर ही मैजिक बॉक्स की सहायता से जांच की गई तथा मावा गुड एवं इंटरएस्टरीफाइट फैट तथा होटल एम 4 मारुति, होटल पंचवटी एवं दरबार ढाबा थांदला रोड पेटलावद का निरीक्षण कर पनीर तथा सोयाबीन तेल का नमूना जांच के लिए लिया गया। निरीक्षण के दौरान पेटलावद के थांदला रोड स्थित दरबार ढाबा बिना पंजीयन संचालित पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। साथ ही उक्त दुकानों पर नापतोल निरीक्षक द्वारा इलेक्ट्रॉनिक तोल कांटे सत्यापन की भी जांच की गई है जांच में टीम में उपस्थित खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा बताया गया कि नमूने जांच के लिए लेकर भोपाल परीक्षण प्रयोगशाला को भेजे गए हैं।

जिला स्तरीय सलाहकार समिति के निर्देशों के परिपालन में टीम द्वारा एकीकृत बाल विकास परियोजना पेटलावद में बच्चों एवं गर्भवती माताओं को वितरित किए जाने वाले पूरक पोषण आहार की भी जांच की गई जिसमें गर्भवती माताओं तथा बच्चों को वितरण के लिए हलवा, बाल आहार, खिचड़ी, गेहूं सोया बर्फी एवं आटा बेसन लड्डू के प्रीमिक्स के नमूने भी जांच में टीम द्वारा लिए गए हैं। टीम द्वारा जिले में 15 दिवस के लिए विशेष अभियान चलाया जाकर कार्यवाही की जावेगी। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री राहुल सिंह अलावा, नापतोल निरिक्षक श्री कपिल कदम एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री सुरेश तोमर उपस्थित रहे।

साध्वी शिक्षिता जी ने कहा: आगम शिक्षा व गुरु आज्ञा को सदैव प्रथम रखना

सुरेश मुलेवा। सिटी चीफ

29 फरवरी को आचार्य श्री उमेश मुनि जी महाराज साहब के बुद्ध पुत्र ,धर्मदास गण प्रमुख, प्रवर्तक श्री जिनेंद्र मुनि जी महाराज साहब के मुखारविंद से। उन्हेंल(उज्जैन) में भागवती दीक्षा अंगीकार करने वाली मुमुक्षु सुश्री पूर्वा राजेंद्र कुमार साधना कुंवर का पेटलावद के सकल जैन समाज ने जयकारा यात्रा निकाल कर अभिनंदन किया। श्री वर्धमान स्थानक भवन में ज्ञान गच्छाधिपति श्री प्रकाश चंद जी महाराज साहब की आज्ञानुवर्ती साध्वी श्री शिक्षित पूजा जी पल्लवी जी ठाणा तीन की निश्राय में उनका सार्वजनिक अभिनंदन भी किया गया।

इस अवसर पर साध्वी श्री शिक्षिता जी ने कहा संयम पथ पर अग्रसर पूर्वा बहन पहचान बने ऐसे काम करना। ऐसे संयम पथ पर चलना की कदमों निशान बन जाए। जन्म मरण तो सभी जीव करते हैं पर ऐसा संयम जीवन जीना कि वह मिसाल बन जाए। अपने आपको गुरु को पेंसिल की तरह सौंप देना ।ना लिखने से डरना न छीलने से डरना नहीं मिटाने से डरना। दीक्षा लेकर वेश धारण करने मात्र से विजय पताका नहीं फहराती है ।आत्म कल्याण कर। सिद्ध गति को पाकर ही संयम लेना सार्थक होता है ।आगम शिक्षा व गुरु आज्ञा में अपने को प्रथम रख अपनी संयम यात्रा को सफल बनाना ।

साध्वी श्री पूजा जी ने कहा दुर्लभ मानव भाव मिला है इसे जैसे दीक्षार्थी पूर्वा बहन सार्थक कर रही है ।आप भी सार्थक करने का प्रयास करना। इस भव में धर्म आराधना करके गए तो ।आगामी भव सुख मय हो जाएंगे।

मुमुक्षु सुश्री पूर्वा बहन कुंवर ने अपने संबोधन में कहा। जैसे मैंने संयम पथ पर चलने का निर्णय लिया है?। आप भी ऐसा ही निर्णय लें।यह भौतिक साधनों के सुख से ज्यादा शाश्वत सुख की ओर ले जाने का मार्ग है। व्रत नियम धारण कर सुश्रावक बने। और आगे चलकर मेरी तरह वैरागी बने।संयम मार्ग प्रत्यक्ष रूप से सुख देने वाला है। आप साधु साध्वी को देखते हैं तो मन में शांति की अनुभूति होती है। पर संसारी को देखते हैं तो कई तरह के भाव मन में आते हैं यह प्रत्यक्ष प्रमाण है।जयकारा यात्रा में सकल जैन समाज द्वारा भाग लिया गया ।यात्रा कुमकुम गार्डन से प्रारंभ होकर बिना किसी आडंबर के स्थानक भवन पहुंची। जहां दीक्षार्थी बहन का श्री वर्धमान स्थानकवासी श्रीसंघ श्री तेरापंथ सभा मंदिर मार्गीय त्रिस्तुतिक चतुर स्तूतिक श्री संघ दिगंबर श्री संघ महावीर समिति अरिहंत युवा वाहिनी रायपुरिया व झकनावद आदि श्री संघों द्वारा भी अभिनंदन किया गया ।मुमुक्षु के मासा मासी प्रदीप व श्रीमती शशि कला पालरेचा ने शुक्ल पक्ष में ब्रह्माचर्य का पालन करने का नियम लेकर सभा में विशेष रूप से सम्मान किया। आज की नवकारसी व आतिथ्य सत्कार का लाभ प्रदीप पालरेचा परिवार ने लिया ।आयोजन में श्री संघ अध्यक्ष अनोखी लाल मेहता उपाध्यक्ष मणिलाल चाणोदीया महेंद्र कटकानी सचिव विनोद बाफना कोषाध्यक्ष विमल मोदी संघ संवादाता जितेंद्र मेहता सहकोषाध्यक्ष संतोष गुजराती नवयुवक मंडल अध्यक्ष जयंत भंडारी महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती आजाद भंडारी बहू मंडल अध्यक्ष श्रीमती अनीता मोदी बालिका मंडल अध्यक्ष कुमारी सखी झाड़मता अणु मित्र मंडल अध्यक्ष सिद्धू चाणोदिया तेरापंथ सभा अध्यक्ष मनोज गादीया मंदिर मार्ग की अध्यक्ष मनोज वोरा महावीर समिति अध्यक्ष संजय वोरा अरिहंत युवा वाहिनी अध्यक्ष चिंतन मंडलोई रायपुरिया संघ से अनिल मूथा झकनावद संघ से शैतानमल कुमठ आदि अपने पदाधिकारीयों के साथ उपस्थित थे। सभा में वीर माता-पिता राजेंद्र कुमार साधना जी कुंवर नानाजी नानी जी जोकि पावन मुनि के संसारी माता-पिता भी है शैतान मल पुखराज कासंवा का भी श्री संघ द्वारा सम्मान किया गया। संचालन व अभिनंदन पत्र का वाचन राजेंद्र कटकानी ने किया। श्री संघ की ओर से प्रभावना वितरित की गई।

सजल मिनरल वाटर प्लांट के डायरेक्टर का हृदय गति रुकने से आकस्मिक निधन

श्रीनिवास मिश्रा। सिटी चीफ मैहर, शहर के प्रतिष्ठित युवा व्यवसायी सजल मिनरल वॉटर प्लांट के डायरेक्टर सचिन पाण्डेय का आज दिनांक 21 फरवरी 2023 को प्रातः कालीन हृदय गति रुकने के कारण आकस्मिक निधन हो जाने से सम्पूर्ण मैहर शहर में एक शोक व्याप्त हो गया। सचिन पांडे का व्यक्तित्व सिर्फ मैहर में ही नहीं बल्कि मैहर ,कटनी, सतना के साथ अन्य जिलों में भी अपने व्यवसाय को लेकर एक ख्याति उपलब्ध हासिल कर रखे थे। पांडे जी नेक ,सरल एवं ईमानदार स्वभाव के धनी व्यक्ति थे। इनके निधन की खबर सुनते ही संपूर्ण शहर के व्यवसायी एवं उनके करीबी तत्काल मैहर हॉस्पिटल एवं उनके निज निवास पटेहरा मैहर में हजारों की भीड़ एकत्रित हुए। पाण्डेय जी के पार्थिव शरीर को पोस्टमार्टम के उपरांत उनका अंतिम संस्कार मैहर के ही वार्ड नंबर 4 में स्थित श्मशान भूमि में हजारों लोग एकत्रित होकर उनकी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

कलेक्टर द्वारा आगामी त्यौहारो को दृष्टिगत रखते हुए दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 लगाई

सुरेश मुलेवा । सिटी चीफ

झाबुआ, कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा के आदेशानुसार आगामी त्यौहारो को दृष्टिगत रखते हुए कानून-व्यवस्था, सुरक्षा एवं साम्प्रदायिक सद्भाव की स्थिति को बनाये रखने के लिये असामाजिक तत्वो, आपराधिक प्रवृत्ति के लोग तथा निहित स्वार्थी तत्वो की गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए सम्पूर्ण जिला झाबुआ क्षेत्रान्तर्गत धारा-144 दण्ड प्रक्रिया संहिता का निषेधात्मक आदेश लोकहित में जारी किया जाना है। जिसमे 24 फरवरी 2024 को रविदास जयंती एवं माघी पूर्णिमा/शबरी जयंती, 25 फरवरी 2024 को शब-ए-बारात (मुस्लिम समाज), 08 मार्च 2024 को महाशिवरात्रि, 12 मार्च 2024 को रोजा प्रारंभ (रमजान प्रारंभ मुस्लिम समाज), 18 मार्च से 24 मार्च 2024 तक भगोरिया आदिवासी पर्व एवं होली दहन, 25 मार्च 2024 को होली-धुलेंडी, 29 मार्च 2024 गुडफाईडे, 30 मार्च 2024 रंग पंचमी एवं 31 मार्च 2024 को ईस्टर संडे आदि त्यौहार मनायें जायेंगे।

पुलिस अधीक्षक जिला झाबुआ के प्रतिवेदन के अवलोकन उपरान्त सहमत होते हुए कलेक्टर तन्वी हुड्डा, एवं जिला दण्डाधिकारी जिला झाबुआ दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा-144 के अंतर्गत जन सामान्य के स्वास्थ्य के हित एवं लोक शांति तथा कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु झाबुआ जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा में प्रतिबंधात्मक आदेश तत्काल प्रभाव से जारी किया गया है।

जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा में आपत्तिजनक साम्प्रदायिक और धार्मिक उन्माद फैलाने वाले गाने बजाने व सोशल मीडिया के संसाधन, फेसबुक, वाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम, इंटरनेट आदि से आपत्तिजनक फोटो कमेंट, चित्र पोस्ट करने अथवा अन्य आपत्तिजनक संदेश पोस्ट करने, द्विद्वद्व करने एवं Comments करना उपरोक्त उल्लेखित को फारवर्ड करना पूर्णतः प्रतिबंधित होगा।

जिले की सीमा में किसी भी संगठन द्वारा कोई धरना प्रदर्शन, जुलूस, रैली का आयोजन किये जाने से पूर्व क्षेत्र के अनुविभागीय दण्डाधिकारी को आवेदन प्रस्तुत कर अनुमति प्राप्त किया जाना अनिवार्य होगा।

सभी कार्यक्रम के लिये आवेदन सक्षम पुलिस अधिकारी के अभिमत के साथ कम से कम 48 घण्टे पूर्व किया जाना तथा पुलिस अधिकारी के बिना आवेदन पत्र कम से कम 72 घंटे पूर्व प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। अनुमति प्राप्त करने वाले आयोजकों की यह जिम्मेदारी होगी कि वह पूरे कार्यक्रम/आयोजन की वीडियोग्राफी कराएंगें। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं हिंसा रहित हो यह उत्तरदायित्व आयोजक संस्था का होगा।

समस्त प्रकार के आयोजनों की अनुमति प्रशासनिक अधिकारियों से प्राप्त किये जाने के उपरांत ही आयोजन किया जावेगा। अनुमति प्राप्त नही होने पर किये जाने वाले आयोजनों को अवैधानिक घोषित करते हुए आवश्यक वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। कोई भी व्यक्ति, संस्था, पशु मालिक अपने पशुओं को खुले तौर पर सड़कों पर न छोडें और न ही सड़कों पर आने दे। होटल, लॉज धर्मशाला में रूकने वाले व्यक्तियों से पहचान पत्र अनिवार्य रूप से लिया जावे एवं संचालक पंजी संधारित रखेगे। किसी भी कार्यपालिक मजिस्ट्रेट अथवा पुलिस अधिकारी द्वारा ऐसी पंजी/जानकारी चाही जाने पर संचालक को इसकी जानकारी देना होगी।

आदेश का उल्लंघन होने पर भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 तथा अन्य समस्त प्रावधानों के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।

झाबुआ में निजी गोदामों पर खरीदी केन्द्र स्थापित होने पर मैकेनाईज्ड सेग्रीगेशन सिस्टम की अनिवार्यता

झाबुआ, 20 फरवरी 2024 को उपार्जन वर्ष 2024-25 में निजी गोदामों पर खरीदी केन्द्र स्थापित होने पर मैकेनाईज्ड सेग्रीगेशन सिस्टम की अनिवार्यता एवं प्रिजरवेशन के परिपेक्ष्य में गोदाम संचालको को जिला झाबुआ में अपर कलेक्टर श्री एस.एस.मुजाल्दा की अध्यक्षता में एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया में गया। जिले के समस्त शाखा प्रबंधक एवं गोदाम संचालको को प्रशिक्षण दिया गया जिसमें शासन की नीति अनुसार प्रत्येक गोदाम स्तरीय खरीदी केन्द्र पर सेग्रीगेशन (छनाई) का कार्य 100 प्रतिशत उपरांत ही गोदामों में जमा एवं रखरखाव किया जाए। इस दौरान क्षेत्रीय प्रबंधक मध्यप्रदेश वेअरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉरपोरेशन श्री चौहान, जिला आपूर्ति अधिकारी श्री संजय पाटिल, जिला प्रबंधक मध्यप्रदेश वेअरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉरपोरेशन, समस्त गोदाम संचालक एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

61 मिलियन यूरो जीतने के बाद नहीं हो रहा था यकीन, बैंक में जाकर किया कंफर्म

इंटरनेशनल डेस्क - दंपति अपनी 30वीं शादी की सालगिरह का जश्न मनाते हुए फ़्यूरटेवेंटुरा में छुट्टियों का आनंद ले रहे थे, तभी उन्हें बड़ी जीत का पता चला। रिचर्ड ने खुलासा किया कि मूल रूप से उन्होंने सोचा था कि उन्होंने £2.60 जीते हैं, लेकिन फिर उन्हें एक और ईमेल प्राप्त हुआ जिसमें जोड़े को अपना खाता जांचने के लिए कहा गया। उन्होंने बताया, मुझे लगा कि यह अजीब है और डुप्लिकेट ईमेल प्राप्त करने के लिए सिस्टम में कोई गड़बड़ी होगी, लेकिन मैंने जांच करने के लिए अपने राष्ट्रीय लॉटरी खाते में फिर से लॉग इन किया। विजेता ने कहा, हम पूरी तरह से स्तब्ध थे, इसमें कहा गया था कि हमने £61 मिलियन से अधिक जीत लिया है। रिचर्ड ने आगे कहा- हम इसका कोई मतलब नहीं समझ सके। मेरा पहला विचार था कि यह कोई घोटाला होगा या इसमें कुछ गड़बड़ है। उन्होंने कहा कि खराब फोन

सिग्नल का मतलब है कि दंपति राष्ट्रीय लॉटरी के साथ खबर की पुष्टि नहीं कर सके और उन्होंने मदद के लिए अपने परिवार की ओर रुख किया। रिचर्ड ने बताया,मेरा सबसे छोटा बच्चा जल्दी वापस आ गया और हमने उसे यूके से हमारे राष्ट्रीय लॉटरी खाते में लॉग इन करने और दोबारा जांच करने के लिए कहा। उसने मेरा विवरण डाला और फिर बस दोहराती रही हे भगवान, हे भगवान, हे भगवान!! यह वास्तविक होना चाहिए, यह आधिकारिक राष्ट्रीय लॉटरी वेबसाइट थी जिसे हम सभी देख रहे थे। जब रिचर्ड और डेबी अंततः राष्ट्रीय लॉटरी में शामिल हो गए, तो कर्मचारी ने उनसे कहा- तो, मुझे यह अधिकार प्राप्त करने की आवश्यकता है... मैं पुष्टि कर सकता हूं कि आप £61,708,321 यूरोमिलियंस जैकपॉट पुरस्कार के विजेता हैं।रिचर्ड ने कहा, इस समय तक मैं और डेब्स मानसिक रूप से परेशान हो रहे हैं, अपनी कार की सीटों पर ऊपर-नीचे उछल रहे हैं, हवा में मुक्का मार रहे हैं, डैशबोर्ड पर थपथपा रहे हैं, कार हिल रही होगी। विजेता अंक 05, 10, 19, 27, 30 थे और दो लकी स्टार 05 और 06 थे। द नेशनल लॉटरी के वरिष्ठ विजेताओं के सलाहकार एंडी कार्टर ने कहा- यह बिल्कुल अविश्वसनीय खबर है और हमें खुशी है कि हमें दावा प्राप्त हुआ है।

ब्रिटेन में भारतीय रेस्तरां के मैनेजर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, 8 लोग गिरफ्तार

लंदन- ब्रिटेन में भारतीय रेस्तरां के एक मैनेजर की साइकिल से घर जाते समय सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। ब्रिटेन की पुलिस इस मामले की जांच हत्या के दृष्टिकोण से कर रही है। पुलिस इस सिलसिले में अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। 36 वर्षीय विग्नेश पट्टाभिरमण 14 फरवरी को दक्षिण-पूर्वी इंग्लैंड के रीडिंग इलाके में भारतीय रेस्तरां में अपने कार्यस्थल से साइकिल से घर वापस आ रहे थे कि तभी रास्ते में कैडुगन प्लेस जंक्शन पर एक वाहन से उनकी टक्कर हो गई। टेम्स वैली पुलिस ने कहा कि विग्नेश को रॉयल बर्कशायर अस्पताल ले जाया गया वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। टेम्स वैली पुलिस की प्रमुख अपराध इकाई के वरिष्ठ जांच अधिकारी स्टुअर्ट ब्रैंगविन ने कहा, ''हमारी संवेदनाएं श्री रमण के परिवार के साथ हैं। अधिकारियों द्वारा उनके परिवार के साथ विशेष रूप से सहयोग किया जा रहा है।उन्होंने कहा, '' हम उनकी मौत की परिस्थितियों की जांच कर रहे हैं और अब इस सिलसिले में गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। मैं इस अवसर पर एक बार फिर अपील करना चाहूंगा कि यदि किसी के पास कोई जानकारी हो तो कृपया टेम्स वैली पुलिस से संपर्क करें।

पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट ने दोबारा चुनाव कराने का अनुरोध ठुकराया

याचिकाकर्ता पर लगाया 5 लाख रुपए का जुर्माना

इस्लामाबाद- पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने आठ फरवरी को हुए आम चुनाव में कथित अनियमितताओं को लेकर नए सिरे से चुनाव कराने का अनुरोध करने वाली एक याचिका को ''लोकप्रियता हासिल करने का हथकंडा बताते हुए बुधवार को खारिज कर दिया। उच्चतम न्यायालय ने अदालत के समक्ष पेश न होने को लेकर पूर्व सैन्य अधिकारी व याचिकाकर्ता पर जुर्माना भी लगाया। सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर अली खान ने पिछले सप्ताह उच्चतम न्यायालय से ''निष्पक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए न्यायपालिका की निगरानी में 30 दिन के भीतर नए चुनाव कराने का आदेश देने का अनुरोध किया था। उन्होंने इस मामले के निस्तारण तक नयी सरकार के गठन पर रोक लगाने का आदेश देने का भी अनुरोध किया था। हालांकि, याचिकाकर्ता लगातार

दो बार सुनवाई के दौरान पेश नहीं हुआ। इसके बाद पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश काजी फैज इसा, न्यायमूर्ति मुहम्मद अली मजहर और न्यायमूर्ति मुसर्रत हिलाली की पीठ ने याचिका का निस्तारण कर दिया और याचिकाकर्ता पर 5,00,000 पाकिस्तानी रुपए का जुर्माना लगाया। इससे पहले, अदालत को सूचित किया गया कि अली पूर्व ब्रिगेडियर हैं जिन पर 2012 में कोर्ट मार्शल की कार्रवाई की गयी थी और उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। प्रधान न्यायाधीश ने याचिकाकर्ता द्वारा शीर्ष अदालत को भेजे एक ईमेल को पढ़ा जिसमें उन्होंने कहा कि वह विदेश में हैं और अपनी याचिका वापस लेना चाहते हैं। प्रधान न्यायाधीश इसा ने इसे 'लोकप्रियता हासिल करने का हथकंडा बताते हुए याचिका खारिज कर दी।

अमेरिका दूसरी बार नाइट्रोजन गैस से तड़पा-तड़पा कर देगा मौत की सजा, पूरी दुनिया जता चुकी विरोध

न्यूयार्क: अलबामा में मौत की सजा पाए एक दोषी को नाइट्रोजन गैस सुंघाकर सजा की तामील करने की तैयारी की जा रही है। राज्य में मौत की सजा की तामील के लिए नाइट्रोजन गैस का इस्तेमाल करने का पहला मामला एक माह पहले ही सामने आया था और इस प्रक्रिया से मृत्युदंड देने की काफी अलोचना भी हुई थी। अलबामा के अटॉर्नी जनरल स्टीव मार्शल के कार्यालय ने बुधवार को अलबामा के उच्चतम न्यायायल से दोषी एलन यूजीन मिलर के लिए सजा की तारीख तय करने का अनुरोध किया। अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने कहा कि मिलर को मौत की सजा नाइट्रोजन हाइपॉक्सिया के जरिए दी जाएगी। मिलर (59) को 1999 में बर्मिंघम में तीन लोगों की हत्या का दोषी ठहराया गया है। सजा के लिए तारीख तय करने का अनुरोध ऐसे वक्त में किया जा रहा है जब राज्य में इस तरीके से सजा-ए-मौत देने को लेकर अलग-अलग राय व्यक्त की जा रही हैं। दरअसल 25 जनवरी को पहली बार नाइट्रोजन गैस के जरिए केनेथ स्मिथ को मौत की सजा दी गई थी और वहां मौजूद लोगों का कहना था कि स्मिथ को कई मिनट तक झटके आते रहे और वह छटपटा रहा था। अटॉर्नी जनरल स्टीव मार्शल के कार्यालय ने कहा कि यह तरीका उपयुक्त है और कहा कि राज्य आगे भी मौत की सजा की तामील में नाइट्रोजन गैस का इस्तेमाल करेगा। उन्होंने स्मिथ को सजा दिए जाने के अगले दिन अन्य राज्यों को भी इस तरीके पर विचार करने का अनुरोध किया था। लेकिन मौत की सजा पाए एक अन्य दोषी की ओर से दायर वाद में नाइट्रोजन गैस का इस्तेमाल बंद करने का अनुरोध किया गया है। इसमें कहा गया कि मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि यह ''इंसान पर किए गए प्रयोग जैसा था और इसे सफल नहीं माना जा सकता। इस याचिका में कहा गया, ''पहले मानव प्रयोग के नतीजे अब आ गए हैं और वे दर्शाते हैं कि नाइट्रोजन गैस से न तो जल्दी दम घुटता है और न ही यह प्रक्रिया दर्द रहित है बल्कि यह अधिक पीड़ादायक और दर्दनाक है।

योगी ने दिल्ली कूच की धमकी के मद्देनजर किसानों के मुद्दों पर समिति बनाने का दिया आदेश

नोएडा- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे गौतम बुद्ध नगर के किसानों के मुद्दों पर विचार करने के लिए बुधवार को एक समिति गठित करने का आदेश दिया। अपनी मांगों पर दबाव बनाने के लिए स्थानीय किसान समूहों द्वारा पैदल दिल्ली कूच करने की धमकी दिए जाने के बाद देर रात यह घोषणा की गई। इससे पहले 8 फरवरी को दिल्ली कूच की असफल कोशिश की गई थी। किसान समूह स्थानीय प्रशासन और एनटीपीसी द्वारा अतीत में अधिगृहीत की गई जमीन के एवज में मुआवजे में वृद्धि एवं विकसित भूखंड की मांग कर रहे हैं। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद के अध्यक्ष की अगुवाई वाली यह समिति प्रदर्शनकारी किसानों के मुद्दों पर चर्चा करेगी और सरकार को रिपोर्ट सौंपेगी। उधर, किसान आंदोलन को लेकर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि प्रदर्शनकारी किसान हमारे भाई व अन्नदाता हैं और केंद्र सरकार उनसे बातचीत के लिए तैयार है। ठाकुर ने कहा कि मोदी सरकार ने किसानों की अधिक आय सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। पंजाब-हरियाणा सीमा पर प्रदर्शन कर रहे किसानों के मुद्दे पर मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार बातचीत के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि हम पहले भी बातचीत के लिए तैयार थे और आज भी तैयार हैं और भविष्य में भी उनके मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार रहेंगे। ठाकुर ने कहा कि हमें कोई समस्या नहीं है क्योंकि वे हमारे भाई और अन्नदाता हैं। केंद्रीय मंत्री ने किसानों की आय दोगुनी करने और कृषि व संबद्ध क्षेत्रों में उच्च वृद्धि प्राप्त करने के लिए मोदी सरकार की विभिन्न योजनाओं को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) दोगुना कर दिया है और खरीद भी दोगुना से अधिक बढ़ा दी गई है।

माइनस डिग्री तापमान में भारतीय सेना ने कायम रखा जज्बा, बर्फबारी में फंसे 500 पर्यटकों को बचाया

नेशनल डेस्क- भारतीय सेना की त्रिशक्ति कोर के जवानों ने गंगटोक (पूर्वी सिक्किम) में दिल जीतने वाला काम किया। दरअसल, पूर्वी सिक्किम के नटुला में बीते दिन अचानक से भारी बर्फबारी और खराब मौसम के कारण 500 पर्यटक फंस गए, लेकिन सेना के जवान इस मुसीबत को हराते हुए उनके जीवनरक्षक बनकर सामने आए। माइनस में तापमान में भी कायम रखा ज्जबा भारतीय सेना के अनुसार, 21 फरवरी को अचानक भारी बर्फबारी के कारण 500 से अधिक पर्यटकों के साथ लगभग 175 वाहन फंस गए।

सेना ने कहा, शून्य से कम तापमान का सामना करते हुए त्रिशक्ति कोर के सैनिक फंसे हुए पर्यटकों को बचाने और उनकी सहायता करने के लिए पहुंचे। पर्यटकों को सुरक्षित पहुंचने में सहायता के लिए समय पर चिकित्सा, गर्म पानी, भोजन और सुरक्षित वाहन प्रदान किए गए। अनंतनाग में भी सेना ने दिखाया था जजबा

सेना ने आगे कहा कि त्रिशक्ति कोर भारतीय सेना सिक्किम में सीमाओं की रक्षा करते हुए नागरिक प्रशासन और लोगों की सहायता के लिए हमेशा तैयार रहती है। इससे पहले 20 फरवरी को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में सीआरपीएफ जवानों ने भारी बर्फबारी के कारण फंसे वाहनों की मदद की थी। यहां भारी बारिश और बर्फबारी देखी गई थी, जिसके कारण श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग सहित कई सड़कें भूस्खलन के कारण अवरुद्ध हो गई थी।

पंजाब सरकार के खिलाफ दायर याचिका पर हाईकोर्ट ने लगाई हरियाणा सरकार को फटकार

चंडीगढ़: पंजाब के किसानों के आज दिल्ली कूच के दौरान शंभू और खनौरी बॉर्डर पर हालात बेकाबू हो गए थे। इस बीच हरियाणा सरकार को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने फटकार लगाई है। दरअसल हरियाणा सरकार ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर पंजाब के किसानों के दिल्ली कूच से राज्य की कानून व्यवस्था के लिए खतरा बताया था। हरियाणा सरकार ने दायर याचिका में किसानों के दिल्ली कूच को न रोकने के लिए पंजाब सरकार के खिलाफ कार्रवाई के लिए याचिका लगाई थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने हरियाणा सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि कानून व्यवस्था को कायम रखना सरकार और पुलिस प्रशासन का काम है, हाईकोर्ट का नहीं। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने सुनवाई से मना कर दिया। हरियाणा सरकार का कहना था कि शंभू बॉर्डर पर मोडिफाइड ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ

आंदोलनकारी मौजूद हैं। इससे हरियाणा में लॉ एंड ऑर्डर को खतरा है। अब हाईकोर्ट की फटकार के बाद हरियाणा सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी में है। किसान आंदोलन 2.0 के 9वें दिन चार दौर की वार्ता विफल होने के बाद पंजाब के किसान शंभू और खनौरी बॉर्डर से दिल्ली जाने की कोशिश कर रहे हैं। दोनों ही जगहों पर किसान और पुलिस के बीच टकराव चल रहा है। पुलिस रबड़ बुलेट और आंसू गैस के गोले छोड़कर किसानों को रोक रही है। शंभू बॉर्डर और खनौरी बॉर्डर पर हालात तनावपूर्ण बना हुआ है।

जयशंकर ने कहा-पश्चिमी देशों ने भारत को नहीं बल्कि पाकिस्तान को हथियार आपूर्ति करना पसंद किया

इंटरनेशनल डेस्क- विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने बीते दिन यानि की मंगलवार को रूस के साथ रक्षा और व्यापार सहयोग की पुष्टि की। इसी के साथ उन्होने कहा कि कई पश्चिमी देश भारत को नहीं बल्कि पाकिस्तान को हथियारों की आपूर्ति करते थे।विदेश मंत्री जयशंकर ने रूस के साथ रक्षा सहयोग पर जोर देते हुए कहा, पश्चिमी देश लंबे समय से भारत को नहीं बल्कि पाकिस्तान को आपूर्ति करना पसंद करते रहे हैं। इन्वेंट्री के संदर्भ में, हां, क्योंकि कई पश्चिमी देशों ने लंबे समय से पाकिस्तान को आपूर्ति करना पसंद किया है, न कि भारत को। लेकिन उदाहरण के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ पिछले दस या पंद्रह वर्षों में यह बदल गया है, और हमारी नई खरीद संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ विविधतापूर्ण हो गई है, रूस, फ्रांस और इज़राइल मुख्य आपूर्तिकर्ता हैं। जर्मनी में

म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन की अपनी यात्रा के दौरान एक प्रमुख जर्मन आर्थिक दैनिक हैंडेल्सब्लैट के साथ एक साक्षात्कार में, विदेश मंत्री जयशंकर ने दुनिया में आपूर्ति श्रृंखलाओं के बुनियादी ढांचे के असंतुलन पर प्रकाश डाला और कहा कि दुनिया का आर्थिक मॉडल अस्थिर और अनुचित है। जयशंकर ने कहा कि दुनिया ने एक आर्थिक मॉडल बनाया है जो अस्थिर और अनुचित है। वैश्वीकरण के नाम पर, हमने दुनिया में अति-संकेंद्रण देखा है। उत्पादन को सीमित संख्या में देशों में स्थानांतरित कर दिया गया है। कई देशों की अर्थव्यवस्थाएं खोखली हो गई हैं। भारत और रूस ने दशकों से ऐतिहासिक संबंधों और साझा हितों पर आधारित एक मजबूत रणनीतिक साझेदारी बनाए रखी है। रूसी समाचार एजेंसी के अनुसार, इस रिश्ते के केंद्र में व्यापक रक्षा सहयोग है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569